राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार 29 मई 2024 वर्ष–7,अंक–125 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

पापुआ न्यू गिनी में भूस्खलन से भारी जनहानि

- पीएम मोदी ने हर संभव सहायता देने की पेशकश की

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने पापुआ न्यू गिनी में भूस्खलन से हुई जानमाल की हानि पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने प्रशांत महासागर के इस द्वीपीय देश को हर संभव पहुंचाने की पेशकश की है। पीएम मोदी ने अपने एक्स पर पोस्ट में लिखा–पापुआ न्यू गिनी में विनाशकारी भूस्खलन हुआ है। जिसमें जानमाल की हानि और क्षति से उनका गहरा दुख हुआ है। पीड़ित परिवारों के लिए हमारी हार्दिक संवेदना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। इस मुश्किल की घड़ी में भारत हर संभव मदद देने के लिए तैयार है। बता दें कि पापुआ न्यू गिनी में विगत शनिवार को राजधानी पोर्ट मोरेस्बी से 600 किमी दूर उत्तर–पश्चिम में एंगा प्रांत में हुए भूस्खलन में दो हजार से ज्यादा लोग जिंदा दफन हो गए हैं। वहां की सरकार ने राहत कार्यों के लिए औपचारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय मदद की मांग की है।

प्रज्वल रेवन्ना की गिरफ्तार का फैसला एसआईटी करेगी: परमेश्वर

बेंगलुरु । कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने मंगलवार को बताया कि जेडीएस सांसद और सेक्स वीडियो मामले के मुख्य आरोपी प्रज्वल रेवन्ना को उनके भारत आगमन पर हवाई अड्डे पर गिरफ्तार करने का निर्णय विशेष जांच दल (एसआईटी) करेगी। गौरतलब है कि वीडियो जारी कर दावा किया गया है कि पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते रेवन्ना 31 मई को एसआईटी के समक्ष पेश होने वाले है। प्रज्वल की गिरफ्तारी के संबंध में पूछे सवाल का जवाब देकर गृहमंत्री ने कहा, एसआईटी यह तय करेगी कि भारतीय हवाईअड्डे पर उतरने के तुरंत बाद रेवन्ना को गिरफ्तार किया जाए या नहीं। यह पूछने पर कि क्या प्रज्वल को गिरफ्तार करने में देर हो रही है, परमेश्वर ने कहा, एक प्रक्रिया होती है, हम बस जाकर प्रज्वल को गिरफ्तार नहीं कर सकते और वापस नहीं ला सकते। मुझे नहीं पता कि किस बात ने प्रज्वल को वीडियो जारी करने के लिए प्रेरित किया। हम देखते हैं कि 31 मई को क्या होता है। अगर वह नहीं आते हैं, तब अगली प्रक्रिया शुरू की जाएगी। गृहमंत्री परमेश्वर ने कहा, हमने सभी आवश्यक कदम उठाए हैं। केंद्र सरकार को लिखा है, वारंट जारी किया गया है और विदेश मंत्रालय को सूचित किया गया है। ब्लू कॉर्नर नोटिस भी जारी कर दिया गया है। यदि प्रज्वल वापस नहीं आता है, तब उसका पता लगाया जाएगा और इंटरपोल हस्तक्षेप करेगा। गृहमंत्री कहा उपरोक्त परिस्थितियों में प्रज्वल रेवन्ना ने वीडियो जारी कर कहा है कि वह वापस आएंगे। यह एक उचित कदम है, क्योंकि कोई भी कानून से बच नहीं सकता। बताया जाता है कि प्रज्वल के दस्तावेजों की मियाद 31 मई को समाप्त हो जाएगी। यदि वह चुनाव हार जाते हैं, तब स्वचालित रूप से उनका राजनयिक पासपोर्ट रद्द हो जाएगा। उन्होंने दोहराया, मैं समझता हूं कि इन सभी कारकों पर विचार करने के बाद प्रज्वल ने भारत वापस आने का फैसला किया है।

आतिशी को कोर्ट का बुलावा....केजरीवाल की टेंशन बढ़ी

- मानहानि के मुकदमे को स्वीकार किया

नई दिल्ली । दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट के एसीएमएम ने दिल्ली भाजपा मीडिया विभाग के प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर द्वारा दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी और सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ दायर मानहानि के मुकदमे को स्वीकार किया। कोर्ट ने आतिशी को 29 जून को अदालत में पेश होने का आदेश दिया है। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने उत्पाद शुल्क नीति मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल, आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ दायर ईडी की पूरक चार्जशीट (अभियोजन शिकायत) पर आदेश सुरक्षित रख लिया है। अदालत ने आरोप पत्र पर संज्ञान लेने पर आदेश सुनाने के लिए 4 जून की तारीख तय कर दी है। आतिशी एवं केजरीवाल द्वारा भाजपा पर आप के विधायकों को पैसे देकर तोड़ने का आरोप लगाया था, इसके विरूद्ध में कपूर ने मानहानि का मुकदमा दायर किया था। आतिशी को पहले उनके दावे के बाद चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा नोटिस दिया गया था कि पार्टी में शामिल होने के लिए एक भाजपा नेता ने उनसे संपर्क कर उन्हें रिश्वत दी थी। यह तब की बात है जब आतिशी उत्पाद शुल्क नीति मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद केंद्र में आ गई थीं। आतिशी ने दावा किया कि अगर वे भाजपा में शामिल होने से इंकार करती हैं, तब उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किया जाएगा। ईसीआई के नोटिस में कहा गया है कि दिल्ली सरकार में मंत्री और एक राष्ट्रीय पार्टी के नेता हैं। मतदाता अपने नेताओं द्वारा सार्वजनिक मंच से जो कुछ भी कहा जा रहा है उस पर विश्वास करते हैं और इस अर्थ में उनके द्वारा दिए गए बयान अभियान चर्चा को प्रभावित करते हैं।

आग की भट्टी बना आधा भारत

50 डिग्री पार हुआ तापमान, अधिकांश जगह 45 पार

नई दिल्ली।

इस माह पड़ रही भीषण गर्मी ने लोगों का घर से निकलना दूभर कर दिया है। देश के अधिकांश शहरों में तापमान 45 डिग्री के पार है। जबकि राजस्थान के बाड़मेर और फलौदी में पारा 50 डिग्री क्रॉस कर गया है। खास बात ये है कि जून का महीना शुरू होने से पहले ही देश के कई राज्यों में तापमान 45 को पार कर गया है। देश के कई हिस्सों में भीषण लू चल रही है। लोगों के मन में सवाल है कि आखिर इस भीषण गर्मी से राहत कब मिलेगी। मौसम विभाग का कहना है कि दिल्ली, यूपी, बिहार, राजस्थान, हरियाणा इन राज्यों में 30 मई के बाद थोड़ी राहत मिलेगी। मौसम विभाग का कहना है कि उत्तर पश्चिम भारत के हिस्सों में भीषण लू चल रही है और ये अगले तीन दिन जारी रह सकती है। 30 मई से इसकी तीव्रता कम होगी। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के सक्रिय होने और अरब सागर से नमी के कारण देश के उत्तर पश्चिम और मध्य भागों में गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार चार दिनों में साउथ वेस्ट मॉनसून केरल में एंट्री कर लेगा। देश के ज्यादातर हिस्सों में मॉनसून सामान्य या इससे बेहतर ही रहेगा। मॉनसून कोर जोन (कृषि प्रधान राज्यों) में मॉनसून के चार महीनों जून से सितंबर तक सामान्य से अधिक बारिश होने के आसार हैं। कोर जोन में मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और वेस्ट बंगाल शामिल हैं। पिछले महीने आईएमडी ने देश भर में सामान्य से अधिक बारिश का अनुमान जताया था।भारत मौसम विज्ञान विभाग के चीफ डॉ मृत्युंजय महापात्रा ने बताया कि भीषण गर्मी और लू का सामना कर रहे दिल्ली समेत उत्तर पश्चिम भारत के इलाकों को 30 मई के बाद राहत मिल सकती है।

अगले तीन दिनों तक गर्मी से राहत नहीं मिलने वाली। बारिश ज्यादा नहीं होगी और राहत मिले इसकी गुंजाइश कम है। जून में दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान समेत देश के ज्यादातर हिस्सों में तापमान सामान्य से अधिक रहने की आशंका है। यहां सामान्य से ज्यादा दिनों तक तेज लू चल सकती है। उत्तर पश्चिम भारत में जून में आमतौर पर तीन दिन लू चलती है, लेकिन इस बार दो-चार दिन ज्यादा ऐसी स्थिति हो सकती है। दिल्ली में लगातार दूसरे दिन अधिकतम तापमान 45 डिग्री के पार रहा।

अगले दो दिनों तक भी गर्मी से राहत मिलने की संभावना नहीं है। 29 मई लिए लू व भीषण गर्मी का रेड अलर्ट जारी किया गया है। हीट इंडेक्स 47 डिग्री रहा। यानी 45 डिग्री में लोगों को 47 डिग्री वाली गर्मी का अहसास हुआ। 31 मई को अरब सागर से आने वाली नमी भरी हवाएं तापमान में कमी लाएंगी, लेकिन तापमान में कमी आने के बावजूद लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिलेगी। क्योंकि नमी की वजह से चिपचिपी गर्मी का सामना लोगों को करना होगा। जून की शुरुआत भी हल्की बारिश के साथ हो सकती है।

विपक्ष इतने हताश- निराश हो चुके हैं कि अपशब्द बोलना उनका स्वभाव बन गया है: पीएम

- पीएम मोदी ने कहा, पिछले 24 साल से गालियां खा-खा कर मैं गाली प्रूफ बन गया हूं

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक साक्षात्कार में कहा कि विपक्ष मानते हैं कि गालियां देने का हक उनका ही है और वे इतने हताश-निराश हो चुके हैं कि गालियां देना अपशब्द बोलना उनका स्वभाव बन गया है। जहां तक मोदी का सवाल है, मैं तो पिछले 24 साल से गालियां खा-खा कर गाली प्रूफ बन गया हूं। संसद में हमारे एक साथी ने हिसाब लगाया था, 101 गालियां गिनाई थीं। नरेंद्र मोदी ने बताया` कि आपने आखिरी दौर शब्द का इस्तेमाल किया, मुझे उसमें बहुत सी चीजें नजर आ रही है। एक तो यह कि हमारा नया युग शुरू होगा। दूसरा जो लोग बड़े सपने देख कर बड़े वादे कर रहे थे, यह उनके लिए भी आखिरी दौर है। चुनाव का आखिरी दौर है ऐसा नहीं है, यह उनकी स्थितियों का भी आखिरी दौर है। मोदी ने आरक्षण पर कहा मुझे मेरे एससी, एसटी, ओबीसी और अति पिछड़े भाई बहनों को सचेत करना है, क्योंकि इनको अंधेरे में रख कर के ये लोग लूट चला रहे हैं। चुनाव एक ऐसा समय है जो सबसे बड़ा संकट आ रहा है उससे देशवासियों को मुझे जागरूक करना चाहिए। इसलिए मैं आग्रह पूर्वक जनता जनार्दन को समझा रहा हूं। दो चीजें हो रही हैं- एक भारत के संविधान की मूल भावना का हनन हो रहा है। संविधान की मर्यादाओं का तार-तार कर दिया जा रहा है और वो भी अपनी वोट बैंक की राजनीति के लिए। आदिवासियों के

हितैशी कहते हैं वे हकीकत में उनके घोर दुश्मन हैं। इन्होंने रातों रात शैक्षणिक संस्थानों को अल्पसंख्यक संस्थान बना दिया और उसमें आरक्षण खत्म कर दिया, दिल्ली में जो जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय है उसमें सारे आरक्षण खत्म हो गए। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आरोप पर कि पीएम मोदी ने उन्हें जेल भेजा है, प्रधानमंत्री मोदी ने बताया` कि उन्होंने ये पाप किया है। मैं उसके खिलाफ बोल रहा हूं और इसीलिए उन्हें झूठ बोलने के लिए ऐसी चीजों का इस्तेमाल करना पड़ता है।

4 जून को राहुल गांधी विदेश छुट्टी मनाने जाएंगे....अखिलेश गाना गाते नजर आएंग: गिरिराज सिंह

वाराणसी ।

केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी नेता गिरिराज सिंह ने कांग्रेस नेता और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधकर कहा कि राहुल गांधी शायद विदेश में छुट्टियां मनाने जाएंगे। वहीं, 4 जून को नतीजे आने के बाद भी अखिलेश गाते नजर आएंगे। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा, छठे चरण में हम 400 का आंकड़ा छूने वाले हैं और सातवें चरण में हम 400 का आंकड़ा पार करने वाले हैं। तभी अखिलेश गाने गाएंगे और राहुल गांधी अपनी विदेश यात्राओं पर जाएंगे, क्योंकि उनके पास कोई विकल्प नहीं बचेगा। यह देश मजबूर सरकार नहीं, मजबूत सरकार चाहता है।

वाराणसी में किए गए विकास कार्यों के बारे में केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा, वाराणसी काशी की भूमि है और जो भी यहां आता है वह बाबा विश्वनाथ के आदेश पर ही आता है। पीएम मोदी यहां से चुनाव लड़ रहे हैं...सिर्फ विकास को तवज्जो दी गई है। पीएम मोदी द्वारा किए गए विकास की चर्चा हो रही है...। उन्होंने कहा कि बनारस के लोग उत्साहित हैं। सिर्फ विकास को महत्व दिया गया है। पीएम मोदी द्वारा किए गए विकास की चर्चा हो रही है।

वाराणसी भाजपा और पीएम मोदी के लिए एक गढ़ के रूप में खड़ा है, जो इस आगामी लोकसभा चुनावों में प्रत्याशा का केंद्र बिंदु बनाता है। पीएम मोदी ने 2014 और 2019 दोनों आम चुनावों में निर्वाचन क्षेत्र में महत्वपूर्ण जीत हासिल की है।

सातवां चरण महज औपचारिता है, एनडीए की जीत तो पक्की है: पासवान

- राहुल गांधी के बिहार दौरे पर कहा-बहुत देर कर दी हुजूर आते-आते

पटना।

बिहार में चिराग पासवान ने कहा कि लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण का चुनाव महज औपचारिकता है। मोदी सरकार ने अपना टारगेट पूरा कर लिया है। साथ ही चिराग ने राहुल गांधी के बिहार दौरे को लेकर शायराना अंदाज में कहा कि बहुत देर कर दी हुजूर आते-आते। अब तो अंतिम चरण है, अब आने से कोई फायदा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि ये लोग जान चुके हैं कि बिहार में इनका कुछ नहीं होने वाला है, सिर्फ खानापूर्ति के लिए आ रहे हैं। बाद में कोई ना बोले कि इतना बड़ा राज्य है बिहार, जहां से देश की राजनीति की दशा और दिशा तय होती है, वहां ये लोग गए ही नहीं। बिहार से इनका कोई लेना-देना नहीं है। एक जून को होने वाली इंडिया गठबंधन की बैठक पर चिराग ने कहा कि समीक्षा बैठक क्या कर रहे हैं, जो लोग चुनाव से पहले एक साथ नहीं, सीटों का बंटवारा नहीं कर पाए, वो लोग एक जून

को समीक्षा करेंगे कि कितनी सीटों पर चुनाव जीत रहे हैं और प्रधानमंत्री कौन बनेगा? इनका यह सिर्फ दिखावा है ताकि सातवें चरण के मतदान पर इसका असर पड़े। हकीकत तो यह है कि बैठक करने से कुछ नहीं होगा। इस बार एनडीए इतिहास में सबसे ज्यादा सीटों के साथ सरकार बनाने जा रही है। सातवां चरण एक औपचारिकता मात्र है। जीत तो एनडीए की पक्की है।

-कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा-युवा न्याय से आएगी रोज़गार क्रांति

इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो पेपर लीक से मिलेगी मुक्ति

नई दिल्ली।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो केंद्र सरकार की नौकरियों में रिक्त पड़े 30 लाख सरकारी पदों पर भर्ती की जाएगी साथ ही पेपर लीक मामले से निपटने के लिए सख्त कानून बनाया जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में बेरोजगारी चरम पर है और युवाओं को रोजगार देना जरूरी है इसलिए इंडिया गठबंधन की सरकार डिप्लोमा या स्नातक युवाओं को प्रशिक्षित करेगी और ट्रेनिंग पूरी करने के बाद नौकरी भी सुनिश्चित करेगी। रोजगार को बढ़ावा देने हर जिले में छोटे और मझौले उद्योग खोलने के लिए 10 करोड रुपए दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि युवा न्याय से आएगी रोज़गार क्रांति, 30 लाख सरकारी नौकरियों में भर्ती की जाएगी और तय होगा आरक्षण का अधिकार। ग्रेजुएट, डिप्लोमा करने वाले युवाओं को ट्रेनिंग देकर, साल में एक लाख रुपये और पहली नौकरी पक्की। पेपर लीक की समस्या पर उन्होंने कहा कि उनकी सरकार बनने पर इस बार कड़ा क़ानून बनाएंगे जिसमें पेपर लीक से मुक्ति, फ़ास्ट ट्रैक कोर्ट में चलेगा मामला, मुआवज़ा देगी सरकार। असंगठित क्षेत्र व गिग वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा, 25 लाख के मुफ़्त स्वास्थ्य बीमा से होगा इलाज। युवा रोशनी से 5000 करोड़ का बनेगा स्टार्टअप फंड, हर ज़िले को 10 करोड़ से एमएसएमई व्यवसायों का विस्तार। कांग्रेस नेता ने कहा कि 4 जून से युवाओं के जीवन में एक नई शुरुआत होगी क्योंकि केंद्र में इंडिया गठबंधन की बनेगी सरकार और हाथ बदलेगा हालात।

विमान में बम की धमकी:

घबराहट में गेट से कूदने लगे यात्री

वाराणसी।

इंडिगो एयरलाइन की एक फ्लाइट में बम की धमकी के चलते अफरातफरी मच गई। दिल्ली से वाराणसी जा रही इस फ्लाइट 6 ई 2211 में जैसे ही लोगों को बम होने की सूचना मिली तो लोग घबरा गए। उन्हे विमान से उतरने की सलाह दी गई तभी कुछ ने इमरेजेंसी गेट से कूदना शुरु कर दिया। बता दें कि दिल्ली हवाई अड्डे पर दिल्ली से वाराणसी जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट के टॉयलेट में एक टिशू पेपर पाया गया, जिस पर बम लिखा हुआ था, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने निरीक्षण किया। विमान को जांच के लिए एक दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आइसोलेशन बे में ले जाया गया। हवाईअड्डे के अधिकारी ने बताया कि एविएशन सिक्योरिटी, डॉग स्क्वायड और बम डिस्पोजल स्क्वायड की टीमें मौके पर पहुंचीं और फ्लाइट का बारीकी से निरीक्षण किया। बम की धमकी मिलने के बाद इंडिगो क्रू ने अलर्ट जारी कर यात्रियों से विमान से नीचे उतरने का अनुरोध किया। कुछ यात्री इमरजेंसी गेट तो कुछ फ्लाइट के मेन गेट से नीचे कूदने लगे। दिल्ली फायर सर्विस ने बताया कि सुबह 5 बजकर 35 मिनट पर दिल्ली से वाराणसी जा रही इंडिगो की फ्लाइट में बम होने की सूचना हमें मिली। हमारी क्रिक रिस्पांस टीम मौके पर पहुंची। सभी यात्रियों को प्लेन के इमरजेंसी गेट से बाहर निकाला गया। इस बीच कुछ यात्री पेनिक होकर विमान से नीचे कूदने लगे। सभी यात्री सुरक्षित हैं। फ्लाइट का निरीक्षण करने के लिए उसे एयरपोर्ट के एक खाली हिस्से में ले जाया गया। मौके पर मौजूद एक विमानन सुरक्षा अधिकारी के मुताबिक उड़ान भरने से पहले दिल्ली वाराणसी इंडिगो फ्लाइट के क्रू को प्लेन के टॉयलेट में एक नोट मिला जिस पर बम लिखा हुआ था। क्रू ने इस नोट का संज्ञान लेते हुए आईजीआई एयरपोर्ट एडमिनिस्ट्रेशन को अलर्ट किया और यात्रिया को प्लेन से नीचे उतारा।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मासूम जिंदगियां

आसमान से बरसती आग के बीच शनिवार को हुए दो अग्निकांडों में मासूमों व बच्चों की मौत ने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलते राजकोट के गेमजोन में हुए अग्निकांड में बच्चों समेत 27 लोगों की मौत हो गई। वहीं दूसरी ओर जिंदगी की उम्मीद को लेकर बेबी केयर होम में रखे सात बच्चे असमय काल-कवलित हो गए। हरियाणा के बहुचर्चित डबवाली अग्निकांड में भी आपराधिक लापरवाही से सौ से अधिक बच्चों के मरने का जो सिलसिला देखा गया था, वह अब भी खत्म नहीं हुआ है। विडंबना देखिए कि गुजरात के राजकोट स्थित जिस गेम जोन को चार साल से चलाया जा रहा था, उसके पास फायर विभाग की अनुमति नहीं थी। लापरवाही की इंतहा देखिये कि गर्मी के मौसम में तेज हवा के दौरान वहां बच्चों व अभिभावकों की उपस्थिति के बीच वेल्डिंग का काम किया जा रहा था। जिसे आग लगने की वजह बताया जा रहा है। परिस्थितियां इतनी भयावह थी कि मृतकों के शव पहचानने मुश्किल हो रहे हैं और शवों के डीएनए नमूने लेकर उनकी पहचान की कोशिश की जा रही है। भयावह हादसे के बाद सख्त कार्रवाई, जांच, दंड, संवेदना और मुआवजे की घोषणा की औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। लेकिन यह कभी नहीं कहा जाता कि जिन अधिकारियों व विभागों की जिम्मेदारी इन लापरवाहियों पर नजर रखने की थी, उनके खिलाफ कौन सा सख्त कदम उठाया जा रहा है। बहरहाल, राजकोट में गेम जोन में हुए हादसे के बाद एक मैनेजर व अन्य व्यक्ति समेत दो लोगों की गिरफ्तारी हुई है। हर बार की तरह एसआईटी का गठन हुआ है। कोई आयोग भी बैठ सकता है। लेकिन सवाल वही है कि समय रहते फायर एनओसी क्यों नहीं लिया गया? प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी देर से पहुंची। राजकोट के सिविल अस्पताल के बाहर अपनों के शवों की तलाश में खड़े लोगों की आंखों के आंसू व आक्रोश व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहे हैं। बताते हैं कि गेम जोन से बाहर निकलने का रास्ता नहीं था। बता दें कि मोरबी सस्पेंशन ब्रिज त्रासदी में मरने वालों में एक तिहाई बच्चे थे। सूरत में तक्षशिला कांप्लेक्स आग त्रासदी में 22 छात्रों की मौत हुई थी। लेकिन इन घटनाओं से भी कोई सबक प्रशासन ने नहीं सीखा। लगता है मासूमों व निर्दोष लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ की अनदेखी करना सिस्टम की आदत बन गई है। वडोदरा की हरणी झील में भी जीवन रक्षक जैकेट के बिना नाव में सवार 12 बच्चों व दो शिक्षकों की मौत इस साल जनवरी में हुई थी। वहीं दिल्ली स्थिति विवेक विहार के बेबी केयर सेंटर में सात नवजातों की मौत ने हर किसी को रुलाया। मां-बापों को अपने जिगर के टुकड़े खोने का समाचार सुबह टीवी व अखबारों से पता चला। एक बच्चे की देखभाल का प्रतिदिन पंद्रह हजार वसूलने वाले प्रबंधकों ने ही नवजातों को मौत की नींद सुला दिया। जिंदगियां छीनने वाले लोगों को शीघ्र सख्त सजा मिलनी चाहिए।

आज का राशिफल

मेष	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।
वृषभ	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।
मिथुन	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।
कर्क	पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
सिंह	व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।
कन्या	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।
तुला	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।
वृश्चिक	आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
धनु	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
मकर	राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।
कुम्भ	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
मीन	कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

अग्निकांड़ों ने हर भारतीय का दिल जख्मी किया

(लेखक- ललित गर्ग)

गुजरात के राजकोट में एक एम्यूजमेंट पार्क के अंदर गेमिंग जोन में लगी आग की लपटें अभी ठीक से बुझी भी नहीं थीं कि शनिवार देर रात राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बच्चों के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में आग लगने से सात नवजात बच्चों की जान चली गयी। दोनों ही घटनाओं में हताहत होने वालों में ज्यादातर छोटे बच्चे हैं। निश्चित रूप से ये हादसे प्रशासनिक लापरवाही की उपज हैं, यही कारण है कि सिस्टम में खामियों और ऐसी आपदाओं को रोकने में सरकारी अधिकारियों की लापरवाही की निंदा की जा रही है। यह याद रखने योग्य है कि नियमित अंतराल पर मानवीय जिम्मेदारी वाले पहलू की अनदेखी से ऐसी गंभीर घटनाएं होने के बावजूद अधिकारियों की उदासीनता और लापरवाही कम होती नहीं दिख रही है। इन जहरीली काली आग ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए। कितनी ही आंखों की रोशनी छीन ली और एक कालिख पोत दी कानून और व्यवस्था के कर्णधारों के मुँह पर। 'अग्निकांड' एक ऐसा शब्द है जिसे पढ़ते ही कुछ दृश्य आंखों के सामने आ जाते हैं, जो भयावह होते हैं, त्रासद होते हैं, डरावने होते हैं। जीवन का हर पल दुर्घटनाओं का शिकार हो रहा है। दुर्घटनाओं को लेकर आम आदमी में संवेदनहीनता की काली छाया का पसरना हो या सरकार की आंखों पर काली पट्टी का बंधना-हर स्थिति में मनुष्य जीवन के अस्तित्व एवं अस्मिता पर सन्नाटा पसर रहा है।

इन दोनों मामलों में शुरुआती सूचनाएं ही संदेह का पुख्ता आधार प्रदान कर रही हैं। मसलन, यह बताया गया कि राजकोट के प्राइवेट एम्यूजमेंट पार्क में चल रहे गेमिंग जोन को फायर एनओसी नहीं मिला था। इसके बावजूद यह गेमिंग जोन धड़ल्ले से चल रहा था, बड़ी संख्या में बच्चे यहां महंगे टिकट लेकर आ रहे थे और अगर आग लगने की यह घटना न होती तो पता नहीं कब तक सब कुछ ऐसे ही चलता रहता। ठीक इसी तरह दिल्ली के बेबी केयर सेंटर की आग की घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। एनआईसीयू में वेंटिलेटर पर ही 7 नवजात ने दम तोड़ दिया। आग की लपटें इतनी तेज थी कि बच्चों को पीछे के रास्ते से बड़ी मुश्किल से निकाला गया। 5 बेड की क्षमता वाले हॉस्पिटल में 12 बच्चों का इलाज हो रहा था। जाहिर है, एक बेड पर दो या तीन बच्चे थे। आग लगने, हॉस्पिटल के मिस मैनेजमेंट और लापरवाही का क्या स्थानीय प्रशासन को अंदाजा नहीं होना चाहिए कि उसके कार्यक्षेत्र में किस तरह के व्यवसाय कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करते हुए चलाए जा रहे हैं? प्रश्न है कि इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है? बहुत कठिन है दुर्घटनाओं की उफनती नदी में जीवनरूपी नौका को सही दिशा में ले चलना और मुकाम तक पहुंचाना, यह चुनौती सरकार के सम्मुख तो है ही, आम जनता भी इससे बच नहीं सकती। इन दोनों अग्निकांड़ों में पीड़ितजन तो सहानुभूति के पात्र हैं ही, पर इन घटनाओं के लिए सहानुभूति की पात्र देश की जनता भी है, जो भ्रष्ट, लापरवाह एवं लालची प्रशासनिक चरित्रों को झेल रही है। मनुष्य अपने स्वार्थ और रुपए के लिए इस सीमा तक बेईमान और बदमाश हो जाता है कि हजारों के जीवन और सुरक्षा से खेलता है। दो-चार परिवारों की सुख समृद्धि के लिए अनेक घर-परिवार उजाड़ देता है।

राजकोट हो या राजधानी में प्राइवेट संस्थानों में आग लगना- बेकसूर लोगों के मारे जाने की घटनाएं कोई नई या चौंकाने वाली बात नहीं है। कभी कोई फैक्ट्री इस वजह से सुर्खियों में आती है तो कभी कोचिंग संस्थान। कभी कोई अस्पताल तो कभी एम्यूजमेंट पार्क। घटना के बाद पता चलता है कि वे संस्थान तमाम कानूनी प्रक्रियाओं को ताक पर रखते हुए चलाए जा रहे थे। यही वजह है कि दोनों ही मामलों में तत्काल जांच के आदेश दे दिए गए। मगर आम तौर पर ऐसे आदेश घटना से उपजे असुविधाजनक एवं ज्वलंत सवालों की ओर से लोगों का ध्यान हटाने भर का काम करते हैं। आसमान से बरसती आग के बीच शनिवार को हुए इन दोनों अग्निकांडों में मासूमों व बच्चों की मौत ने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलत ऐसे हादसे होते हैं जिनमें भ्रष्टाचार पसरा होता है, जब अफसरशाह लापरवाही करते हैं, जब स्वार्थ एवं धनलोलुपता में मूल्य बौने हो जाते हैं और नियमों और कायदे-कानूनों का उल्लंघन होता है।

आग क्यों और कैसे लगी, यह तो जांच का विषय है ही लेकिन इन व्यावसायिक इकाइयों को उसके मालिकों ने मौत का कुआं बना रखा था। आखिर क्या वजह है कि जहां दुर्घटनाओं की ज्यादा संभावनाएं होती हैं, वही सारी व्यवस्थाएं फेल दिखाई देती है? सारे कानून कायदों का वहीं पर स्याह हनन होता है। हर दुर्घटना में गलती भ्रष्ट आदमी यानी अधिकारी एवं व्यवसायी की ही होती है पर कारण बना दिया जाता हैं पुर्जों व उपकरणों की खराबी को। जैसे-जैसे जीवन तेज़ होता जा रहा है, सुरक्षा उतनी ही कम हो रही है, जैसे-जैसे प्रशासनिक सर्तकता की बात सुनाई देती है, वैसे-वैसे प्रशासनिक कोताही के सबूत सामने आते हैं, मरने वालों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन हर बड़ी दुर्घटना कुछ शोर-शराबें के बाद एक और नई दुर्घटना की बाट जोहने लगती है। सरकार और सरकारी विभाग जितनी तत्परता मुआवजा देने में और जांच समिति बनाने में दिखाते हैं, अगर सुरक्षा प्रबंधों में इतनी तत्परता दिखाएं तो दुर्घटनाओं की संख्या घट सकती है। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है, क्यों नहीं हो रहा है, यह मंथन का विषय है। राजधानी दिल्ली ही नहीं, देश में हर जगह कानूनों एवं व्यवस्थाओं की धज्जियां उड़ते हुए देखा जा सकता है। इंसान का जीवन कितना सस्ता हो गया है। अपने धन लाभ के लिये कितने इंसानों के जीवन को दांव पर लगा देता है। मालिकों से ज्यादा दोषी ये अधिकारी और कर्मचारी हैं। अगर ये अपनी जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाते तो उपहार सिनेमा अग्निकांड नहीं होता, नन्दनगरी के समुदाय भवन की आग नहीं लगती, पीरागढ़ी उद्योगनगर की आग भी उनकी लापरवाही का ही नतीजा थी। बात चाहे पब की हो या रेल की, प्रदूषण की हो या खाद्य पदार्थों में मिलावट की-हमें हादसों की स्थितियों पर नियंत्रण के ठोस उपाय करने ही होंगे। तेजी से बढ़ता हादसों का हिंसक एवं डरावना दौर किसी एक प्रान्त या व्यक्ति का दर्द नहीं रहा। इसने हर भारतीय दिल को जख्मी किया है। इंसानों के जीवन पर मंडरा रहे मौत के तरह-तरह की डरावने हादसों एवं दुर्घटनाओं पर काबू पाने के लिये प्रतीक्षा नहीं, प्रक्रिया आवश्यक है। स्थानीय निकाय हो या सरकारें, लाइसेंसिंग विभाग हो या कानून के रखवाले- अगर मनुष्य जीवन की रक्षा नहीं की जा सकती तो फिर इन विभागों का फायदा ही क्या? कौन नहीं जानता कि ये विभाग कैसे काम करते हैं। सब जानते हैं कि प्रदूषण नियंत्रण के नाम पर इंस्पैक्टर आते हैं और बंधी-बंधाई राशि लेकर लौट जाते हैं। लाइसेंसिंग विभाग में ऊपर से नीचे तक भ्रष्टाचार है। नैतिकता और मर्यादाओं के इस टूटते बांध को, लाखों लोगों के जीवन से खिलवाड़ करते इन आदमखोरों से कौन मुकाबला करेगा? कानून के हाथ लम्बे होते हैं पर उसकी प्रक्रिया भी लम्बी होती है। कानून में अनेक छिद्र हैं। सब बच जाते हैं। सजा पाते हैं गरीब आश्रित, निर्दोष अभिभावक जो मरने वालों के पीछे जीते जी मर जाते हैं। पुलिस 卐व्यक्ति卐 की सुरक्षा में तैनात रहती है 卐जनता卐 की सुरक्षा में नहीं। भ्रष्ट अधिकारी नोट जुगाड़ने की कोशिश में रहते हैं, जनता की सुरक्षा के लिये नहीं। भ्रष्टाचार शासन एवं प्रशासन की जड़ों में पेठा हुआ है, इन विकट एवं विकराल स्थितियों में एक ही पंक्ति का स्मरण बार बार होता है, 卐घर-घर में है रावण बैठा इतने राम कहां से लांऊ卐। भ्रष्टाचार, बेईमानी और अफसरशाही इतना हावी हो गया है कि सांस लेना भी दूभर हो गया है।

संकट में ईरान के रहबर बने मोखबर

चर्चा में चेहरा/अरुण नैथानी

ईरान फिलहाल बड़े नेतृत्व व आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। यूं तो पहले से ही यह इस्लामिक देश अमेरिका और इस्राइल के निशाने पर रहा है। परमाणु कार्यक्रम पर अंकुश लगाने के लिये सख्त अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक प्रतिबंधों से बचते-बचाते ईरान जैसे-तैसे अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की कोशिश ही कर रहा था। मगर 20 मई के हेलीकॉप्टर दुर्घटना में राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी व विदेश मंत्री समेत कई महत्वपूर्ण व्यक्तियों की मौत, इस देश के लिये वज्रपात जैसी है। ऐसे में कार्यपालिका प्रमुख के रिक्त पद को भरना तात्कालिक चुनौती थी। ईरानी संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार विधिवत चुनाव होने तक उप-राष्ट्रपति मोहम्मद मोखबर देजफुली को ही राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दरअसल, ईरान में इस्लामिक क्रांति के बाद प्रधानमंत्री पद खत्म कर दिया गया था। फिर चुना गया राष्ट्रपति ही उपराष्ट्रपति का मनोनयन करता रहा है। इस पद पर बैठा व्यक्ति लगभग प्रधानमंत्री जैसे कार्यपालिका के दायित्वों को निभाता है। उपराष्ट्रपति को शासन प्रमुख के निधन के बाद राष्ट्रपति की तमाम शक्तियां व दायित्व केंद्रीय नेतृत्व की सहमति के बाद मिल जाते हैं। ईरानी संविधान के अनुसार पचास दिन के भीतर ही राष्ट्रपति का चुनाव संपन्न हो जाना चाहिए। दरअसल, मोहम्मद मोखबर एक उच्च शिक्षित तथा क्रांति के विचार पोषक रहे हैं। उन्हें आर्थिक मामलों का विशेषज्ञ माना जाता है। ऐसे वक्त में जब परमाणु कार्यक्रम पर रोक लगाने की वजह से ईरान पर सख्त प्रतिबंध लगे हैं तो मोहम्मद मोखबर ने ईरानी अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिये भरसक प्रयास किये हैं। ईरान के खुजेस्तान प्रांत के देजफुल शहर में 1955 में जन्मे मोहम्मद मोखबर देजफुल को उपनाम उनके शहर के नाम पर ही मिला है। गंभीर धार्मिक रुझान वाले परिवार में उनके पिता इस्लामिक उपदेशक की भूमिका में भी रहे हैं। अपने शहर में आरंभिक शिक्षा हासिल करने के बाद वे उच्चशिक्षा के लिये अहवाज गए। बताते हैं कि उन्होंने इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी के साथ ही प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिग्री भी हासिल की। बाद में मैनेजमेंट व आर्थिक विकास में डॉक्टरेट भी की। ईरानी मीडिया के अनुसार मोहम्मद मोखबर ने बाद में अंतर्राष्ट्रीय कानून में पीएचडी भी हासिल की। कालांतर में वे इस्लामिक क्रांति से जुड़े वैचारिक संगठनों से जुड़े रहे। जिसमें तत्कालीन सरकार के विरुद्ध सक्रिय मंसूरुन ग्रुप के सक्रिय सदस्य थे। फिर खुजेस्तान में इस्लामिक रिपब्लिकन गाड्र्स कोर में खासे एक्टिव रहे। उनकी सक्रियता ईरान-इराक युद्ध के दौरान भी रही। युद्ध के बाद वे कई बड़ी दूरसंचार कंपनियों में शीर्ष पदों पर रहे। सीमित अंतराल के लिये खुजेस्तान के डिप्टी गवर्नर की भूमिका भी रही। आर्थिक व प्रबंधन में गहरी पकड़ के चलते मोहम्मद मोखबर को सिना बैंक व ईरान सेल कंसोर्टियम में निदेशक मंडल जैसे बड़े पद मिले। कालांतर में इस्लामिक गणराज्य की आर्थिकी रीढ़ कहे जाने वाली संस्था 'फरमान इमाम' के मुख्यालय के प्रमुख की नियुक्ति के रूप में बड़ी सफलता पायी। दरअसल, 'फरमान इमाम' की स्थापना इस्लामिक क्रांति के सूत्रधार आयतुल्लाह खुमैनी की रणनीति के तहत हुई थी। इस संस्था और मोहम्मद मोखबर के कद का पता इस बात से पता चलता है कि कुछ साल पहले अमेरिका ने इन पर प्रतिबंध लगाए थे। दरअसल, इस संस्था के कब्जे में इस्लामिक क्रांति के बाद जब्त अरबों की संपत्ति है। जो सीधे ईरान के सर्वोच्च धर्मगुरु अयातोल्लाह खामेनई के सुपरविजन में संचालित होती है। इस संस्था की अकूत संपदा की किसी ईरानी विभाग द्वारा निगरानी नहीं हो सकती है और संस्था का दखल कई महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्रों में है। उल्लेखनीय है कि मोखबर डेढ़ दशक तक फरमान इमाम कार्यकारी अधिकारी रहे। दरअसल, ईरान के सुप्रीम नेता से करीबी संबंध और आर्थिक मामलों में गहरी पकड़ के चलते मोखबर ईरान के उपराष्ट्रपति बने थे। उन्होंने तमाम कट्टरपंथी नेताओं को मात देकर इस पद को हासिल किया था। वे जहां एक ओर सर्वोच्च धर्मगुरु अयातोल्लाह खामेनई के विश्वासपात्र रहे वहीं दिवगंत राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के भी भरोसेमंद रहे हैं। दरअसल, ईरानी संविधान के अनुसार राष्ट्रपति ही उपराष्ट्रपति की नियुक्ति करता है, यह पद जनता द्वारा चयनित नहीं होता। यद्यपि वे पर्दे के पीछे से निर्णायक भूमिका निभाते रहे हैं, लेकिन उनकी आर्थिक नीतियों की सफलता को लेकर कई तरह के किंतु-परंतु होते रहे हैं। सवाल फरमान इमाम की आर्थिक नीतियों व काम करने के तौर-तरीकों तथा दर्जनों कंपनियों की मिल्कियत को लेकर भी उठते रहे हैं। संस्था सेवा कार्यों के लिये बरकत फाउंडेशन तथा नॉलेज फाउंडेशन भी चलाती है। दरअसल, मोखबर तब भी सुर्खियों में आए थे जब कोरोना महामारी के दौर में बरकत फाउंडेशन के तत्वावधान में ईरानी वैक्सीन प्रोजेक्ट को सिरे चढ़ाने के प्रयास हुए थे। इन प्रभावशाली व बड़ी संस्थाओं में निर्णायक भूमिका के साथ ही वैक्सीन ने उन्हें देश में नायकत्व प्रदान किया। ईरानी सर्वोच्च धार्मिक नेता की सहमति से चली योजना को लेकर कई किंतु-परंतु भी सामने आए।

मोखबर ने अपनी बेटी को पहली वैक्सीन लगाकर देश के लोगों का भरोसा हासिल करने का प्रयास किया। दरअसल, मोहम्मद मोखबर ने अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक प्रतिबंधों से उपजे संकट से देश को बाहर निकालने का सतत प्रयास किया। कालांतर में उनके योगदान व अनुभव के चलते ही उन्हें रेजिस्टेंट इकॉनमी का सर्वेसर्वा बनाया गया। वहीं ईरानी सत्ता के सूत्रधारों के साथ बेहतर रिश्तों के चलते वे पर्दे के पीछे के खेल के मंजे खिलाड़ी भी माने जाते हैं। बहरहाल, हेलीकॉप्टर हादसे के बाद उन्हें ईरान में एक बड़ी जिम्मेदारी निभाने का मौका मिला है।

विचार मंथन

चीन ने बनाया खतरनाक सिंथेटिक वायरस, 3 दिन में मौत

(लेखक-सनत जैन)

तीसरा विश्व युद्ध होगा आणविक और रासायनिक, मचेगी भारी तबाही

चीन के रासायनिक वैज्ञानिकों ने एक खतरनाक वायरस तैयार किया है। इस वायरस के संपर्क में आने के बाद 3 दिन के अंदर व्यक्ति की मौत होना तय है। साइंस डायरेक्ट पत्रिका में प्रकाशित शोध के अनुसार यह नया सिंथेटिक वायरस इबोला वायरस की तरह काम करता है बल्कि यह इबोला वायरस से ज्यादा खतरनाक है। शोध में दी गई जानकारी के अनुसार हैवई मेडिकल विश्वविद्यालय चीन के वैज्ञानिकों ने इबोला वायरस की कुछ जीन से एक नया सिंथेटिक वायरस तैयार किया है। यह वाइरस इबोला वायरस की तरह शरीर की कोशिकाओं को संक्रमित कर देता है। चीन के वैज्ञानिकों ने 10 हमस्टरों को वायरस का इंजेक्शन लगाया। टीका लगाने के 3 दिन के अंदर ही हमस्टरों में बीमारी के लक्षण उत्पन्न हो गए। यह लक्षण इंसानों में इबोला वायरस से होने वाली बीमारी के समान थे। इस वायरस के संपर्क में आने के बाद शरीर कमजोर पड़ना शुरू हो गया। 3 दिन के अंदर शरीर के सभी अंगों ने काम करना बंद कर दिया। उसके बाद सभी 10 हमस्टरों की मौत हो गई। चीन के वैज्ञानिकों का कहना है कि यह वायरस उन्होंने इबोला की रोकथाम के लिए तैयार किया है। इबोला की रोकथाम के लिए नई दवाइयां और टीका बनाने में इससे मदद मिलेगी। किसी भी शोध का उपयोग जब शुरू होता है। तब इसी तरह की बात की जाती है। इसके दुष्परिणाम समय-समय पर सामने आते रहे हैं। हथियारों का निर्माण भी सुरक्षा के लिए हुआ था, लेकिन यही हथियार अब मानव जीवन के लिए विध्वंस का कारण बन गए हैं। दवाओं को तैयार करने के लिए भी यही उद्देश्य बताया जाता है। युद्ध के लिए जो हथियार बनाए जाते हैं उसमें जो कारोबार होता है। उसी के समकक्ष अब दवा का कारोबार भी सारी दुनिया में हो रहा है। कोरोना वायरस से सारी दुनिया के देश भयाक्रांत थे। दुनिया के देशों में लाखों लोगों की इस वायरस के कारण मौत हो गई। अभी तक यह पता नहीं लगाया जा सका है, कोरोना वायरस का जन्मदाता कौन है। कोरोना वायरस आने के बाद खरबों रुपए की दवाओं और टीका (वैक्सीन) का कारोबार पिछले तीन वर्षों में सारी दुनिया के देशों में हुआ है। यह किसी से छुपा हुआ नहीं है। यह वायरस किस तरह से दुनिया के देशों में फैला। 3 बरस बीत जाने के बाद भी इसका पता नहीं लगाया जा सका है। अमेरिका और इराक के बीच 2003 में रासायनिक हथियार तैयार करने की आशंका को लेकर एक बड़ा युद्ध हुआ। हजारों लोगों की इसमें मौत हुई, लाखों लोग इससे प्रभावित हुए। अमेरिका ने सद्दाम हुसैन को फांसी पर चढ़ा दिया। इराक के पास किसी तरह के रासायनिक हथियार होने का पता आज तक दुनिया को नहीं लगा। इस युद्ध की कीमत सारी दुनिया के देशों को चुकानी पड़ी। दुनिया के देशों में जिस तरह के हालत वर्तमान में बने हुए हैं, उससे तृतीय विश्व युद्ध की आशंका उपजी है जिससे सारी दुनिया भयाक्रांत है। इजराइल, संयुक्त राष्ट्र संघ सहित किसी की बात को नहीं मान रहा है। गाजा पर उसके हमले लगातार जारी हैं। बच्चों, महिलाओं और पुरुषों के रूप में करीब 50000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। लाखों लोग दाने-दाने को मोहताज हैं। वहां पर बच्चे, महिलाएं और पुरुष भूख से मर रहे हैं। युद्ध को रोकने की जो भी कोशिश की गई। वह आज तक सफल नहीं हो पाई। इसी तरह से रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से युद्ध चल रहा है। जो विकास युद्धरत देशों में पिछले कई दशकों में हुआ था, वह सब नष्ट हो गया है। युद्ध में घोषित रूप से हजारों लोग मौत के मुंह में चले गए हैं। लाखों लोग घायल और विकलांग हुए हैं। इसके बाद भी दुनिया के सभी देश मिलकर युद्ध को नहीं रोक पाए। अमेरिका का, चीन और रूस के साथ तनाव बना हुआ है। इस तनाव को देखते हुए चीन और रूस के बीच में एक ऐसी सुरक्षा संधि हुई है, जो अनलिमिटेड है। इसका मतलब यह हुआ, चीन और रूस मिलकर किसी भी स्तर तक जाकर एक-दूसरे का साथ देंगे। इसमें उत्तर कोरिया भी शामिल है। कोरोना वायरस की महामारी के रूप में लाखों लोगों की मौत दुनिया के देशों में हुई है। कोरोना वायरस का निर्माण चीन में ही हुआ था। चीन के माध्यम से यह वायरस सारी दुनिया के देशों में फैला। चीन ने अब जो नया सिंथेटिक वायरस बनाया है। मानवीय त्रुटि या रासायनिक हथियार के रूप में यदि इस वायरस का उपयोग युद्ध के रूप में हुआ तो ऐसी स्थिति में यह सिंथेटिक वायरस हवा के सहारे भी दुनिया के सभी देशों में फैलाया जा सकता है। जो मानव जीवन के साथ-साथ पशुओं और अन्य जीवों के लिए भी खतरनाक साबित होगा। इबोला वायरस का एंटीडोज बनाने के लिए जो नया सिंथेटिक वायरस तैयार किया गया है। यह इबोला से भी ज्यादा खतरनाक है। इस तरह के प्रयोग और रासायनिक सिंथेटिक वायरस के निर्माण को तुरंत नहीं रोका गया, तो यह सारी दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा साबित होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चौथी तिमाही में एलआईसी का मुनाफा 13,763 करोड़ पहुंचा

कंपनी 3662 करोड़ रुपए का सरकार को देगी उपहार

नई दिल्ली। इंश्योरेंस कंपनी एलआईसी ने हाल ही में अपने तिमाही आंकड़े पेश किए हैं। चौथी तिमाही में एलआईसी का मुनाफा दो फीसदी बढ़कर 13,763 करोड़ पहुंच गया है। कंपनी को 2023 की समान तिमाही में 13,428 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। शुद्ध मुनाफा बढ़ने से कंपनी ने 6 रुपए प्रति शेयर डिविडेंड देने का ऐलान भी किया है। एलआईसी में सरकार की करीब 96.5 फीसदी हिस्सेदारी है। अब कंपनी 3662 करोड़ रुपए का सरकार को भी उपहार देगी। एलआईसी से पहले रिजर्व बैंक ने भी 2.11 लाख करोड़ का डिविडेंड सरकार को देने की घोषणा की थी। एलआईसी ने रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि चौथी तिमाही में कंपनी की कुल आय 2,50,923 करोड़ रुपए हुई है। 2023 की सामान तिमाही में यह 2,00,185 करोड़ रही थी। जनवरी-मार्च तिमाही में एलआईसी का एनुअल प्रीमियम भी 10.7 फीसदी बढ़कर 21,180 करोड़ रुपए हो गया था, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 19,137 करोड़ था। हालांकि, एलआईसी के न्यू बिजनेस में 1.6 फीसदी की गिरावट आई है। यह पिछले वित्त वर्ष के 3,704 करोड़ रुपए के मुकाबले वित्त 2024 की चौथी तिमाही में 3,645 करोड़ रहा। जनवरी-मार्च तिमाही में एलआईसी का पहले साल प्रीमियम भी बढ़ा है। यह आंकड़ा 13,810 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। 2024 की सामान तिमाही में पहले साल का प्रीमियम 12,811 करोड़ रुपए था। रिन्यूअल प्रीमियम भी बढ़कर 77,368 करोड़ हो गया, जो कि 2023 की समान अवधि में 76,009 करोड़ रुपए था।

आईआईटी-बॉम्बे ने टीसीएस के साथ की साझेदारी

मुंबई । भारत का पहला क्वांटम डायमंड माइक्रोचिप इमेजर बनाने के लिए आईआईटी बॉम्बे ने देश की प्रमुख आईटी सेवा कंपनी टीसीएस के साथ साझेदारी की है। बताया जा रहा है कि क्वांटम डायमंड माइक्रोचिप इमेजर चुंबकीय क्षेत्रों की तस्वीर बना सकता है। यह सेमीकंडक्टर चिप की नॉन इनवेसिव और नॉन-डिस्ट्रक्टिव मैपिंग को सक्षम बनाता है, जैसे एक अस्पताल में एमआरआई की तरह। पीक्वेस्ट लैब में क्वांटम इमेजिंग प्लेटफॉर्म विकसित करने के लिए टीसीएस के विशेषज्ञ प्रमुख प्रौद्योगिकी संस्थान के एक एसोसिएट प्रोफेसर के साथ काम करेंगे। दोनों साझेदार नवाचार को बढ़ावा देने के लिए क्वांटम सेंसिंग में अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए चिप की नॉन-डिस्ट्रक्टिव जांच के लिए क्वांटम इमेजिंग प्लेटफॉर्म पर काम करेंगे। टीसीएस ने कहा कि दूसरी क्वांटम क्रांति तेजी से रही है, जिससे सेंसिंग, कंप्यूटिंग तथा संचार प्रौद्योगिकियों में अत्याधुनिक क्षमताओं का निर्माण करने के लिए संसाधनों व विशेषज्ञता को एकत्रित करना अनिवार्य हो गया है।

एनएमडीसी ने लौह अयस्क के लम्प और फाइन दर बढ़ाई

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की एनएमडीसी ने अयस्क के लम्प (ढेला) की कीमतों में 250 रुपये प्रति टन और फाइन (चूरा) की कीमतों में 350 रुपये प्रति टन की बढ़ोतरी की है। एनएमडीसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने लम्प अयस्क की कीमत को संशोधित कर 6,450 रुपये प्रति टन और फाइन की कीमत 5,610 रुपये प्रति टन कर दी है। लम्प अयस्क या उच्च श्रेणी के लौह अयस्क में 65.5 प्रतिशत एफई (लौह) होता है, जबकि फाइन अयस्क 64 प्रतिशत और उससे कम एफई के साथ निम्न श्रेणी का अयस्क होता है। कंपनी के अनुसार, कीमतें 28 मई से प्रभावी हो गई हैं। इसमें रॉयल्टी तथा जिला खनिज निधि (डीएमएफ), राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट (डीएमईटी) में योगदान शामिल है। इसमें उपकर, वन परमिट शुल्क और अन्य कर शामिल नहीं हैं। यह घोषणा कंपनी के अपने तिमाही परिणाम की घोषणा के एक दिन बाद आई है। बढ़े हुए खर्चों के कारण जनवरी-मार्च तिमाही में मुनाफा 38 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,415.62 करोड़ रुपये रहा। मूल्य संशोधन आखिरी बार 29 अप्रैल को किया गया था, जब एनएमडीसी ने लम्प की दर 6,200 रुपये प्रति टन और फाइन की दर 5,260 रुपये प्रति टन तय की थी। हैदराबाद स्थित एनएमडीसी भारत की सबसे बड़ी लौह अयस्क खनन कंपनी है जो देश में इस्पात बनाने वाले कच्चे माल की करीब 20 प्रतिशत मांग को पूरा करती है।

गोल्डमैन सैक्स ने भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था जताया भरोसा

रिसर्च फर्म ने भारत का ग्रोथ अनुमान 6.7 फीसदी किया

नई दिल्ली। अमेरिकी रीसर्च फर्म और ग्लोबल फाइनेंसियल इंस्टीच्यूशन गोल्डमैन सैक्स ने भारत की बढ़ती विकास गति की उम्मीद करते हुए भारत की अर्थव्यवस्था के लिए अपने जीडीपी फोरकास्ट को 10 बेसिस पॉइंट बढ़ा दिया है। रिसर्च फर्म ने अब भारत का ग्रोथ अनुमान 6.7 फीसदी कर दिया है।

इनवेस्टमेंट बैंक एक बयान में कहा कि आने वाले समय में हमें इनवेस्टमेंट ग्रोथ की रफ्तार बनी रहने की उम्मीद है। रिजर्व बैंक ने अनुमान से ज्यादा डिविडेंड सरकार को ट्रांसफर किया है, लिहाजा इंफ्रास्ट्रक्चर पर और खर्च के लिए गुंजाइश है। हमने हाल में जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 0.10 फीसदी बढ़ाकर 6.7 फीसदी कर दिया है। गोल्डमैन सैक्स को उम्मीद है कि रिजर्व बैंक अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट में बढ़ोतरी से कोर गुड्स इनफ्लेशन में भी बढ़ोतरी की उम्मीद है। गोल्डमैन सैक्स का कहना है कि भारत में ग्रोथ की रफ्तार मजबूत रहेगी जबकि हमारा मानना है कि कोर इनफ्लेशन अप्रैल-जून में रिकॉर्ड से नीचे जाएगा। जुलाई-दिसंबर में कोर इनफ्लेशन 4.0-4.5 फीसदी रहने का अनुमान है। हालांकि, रिजर्व बैंक की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी के सदस्यों ने हाल में फूड इनफ्लेशन को लेकर सावधान रहने को कहा है।

गोल्डमैन सैक्स के अनुमानों के मुताबिक अमेरिकी फेडरल रिजर्व इस साल सितंबर और दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती कर सकता है। इनवेस्टमेंट बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है, कि अमेरिकी अर्थशास्त्रियों की हमारी टीम ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा पहली कटौती की तारीख को जुलाई से बढ़ाकर सितंबर कर दिया है। हालांकि, अब भी 2024 में ब्याज दरों में दो बार कटौती का अनुमान है।

सैमसंग ने लांच किया गैलेक्सी एफ55 5जी

नई दिल्ली । कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने गैलेक्सी एफ-सीरीज स्मार्टफोन गैलेक्सी एफ55 5जी को भारतीय बाजार में लांच कर दिया है। जिसकी शुरूआती कीमत 24999 रुपये है। कंपनी ने कहा कि इसे प्रीमियम वेगन लेदर फिनिश बैक पैनल के साथ गैलेक्सी एफ55 5जी का स्लीक और स्टाइलिश लुक दिया गया है। गैलेक्सी एफ55 5जी के साथ ही सैमसंग पहली बार एफ-सीरीज पोर्टफोलियो में उत्कृष्ट वीगन लेदर डिजाइन वाला स्मार्टफोन लॉन्च कर रहा है। यह सुपर एमोलेड प्लस डिस्प्ले, शक्तिशाली स्नैपड्रैगन 7 जेन1 प्रोसेसर, 45वॉट सुपर-फास्ट चार्जिंग, एंड्रॉएड अपग्रेड के चार जेनरेशंस और पांच साल की सुरक्षा अपडेट जैसी सेगमेंट-अग्रणी फीचर्स के साथ मौजूद है, ताकि आने वाले वर्षों के दौरान यूजर लेटेस्ट फीचर्स और बेहतर उपयोग कर सकें।

दूरसंचार कंपनियों को स्पेक्ट्रम शुल्क के साथ जीएसटी भी देना होगा

नई दिल्ली । दूरसंचार कंपनियों को स्पेक्ट्रम शुल्क के के साथ-साथ वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) भी देना होगा। दूरसंचार विभाग (डीओटी) मोबाइल फोन सेवाओं के लिए आठ स्पेक्ट्रम बैंड के लिए स्पेक्ट्रम नीलामी का अगला दौर छह जून को आयोजित करेगा। नीलामी के लिए आधार मूल्य 96,317 करोड़ रुपये तय किया गया है। स्पेक्ट्रम 20 साल के लिए आवंटित किया जाएगा और सफल बोलीदाताओं को आगामी 'मेगा' नीलामी में 20 समान वार्षिक किस्तों में भुगतान करने की अनुमति दी जाएगी। अधिकारी ने कहा कि दूरसंचार कंपनियों को प्रत्येक किस्त के साथ 18 प्रतिशत जीएसटी का भुगतान करना होगा। अधिकारी ने कहा` कि जीएसटी परिषद अपनी अगली बैठक में स्पेक्ट्रम नीलामी के दौरान बोली जीतने वाली कंपनियों द्वारा जीएसटी भुगतान की प्रक्रिया को स्पष्ट कर सकती है। स्पष्टीकरण से नीलामी प्रक्रिया में जीएसटी संग्रह की विधि के संबंध में क्षेत्रीय अधिकारियों के बीच भ्रम समाप्त हो जाएगा। 800 मेगाहर्ट्ज, 900 मेगाहर्ट्ज, 1,800 मेगाहर्ट्ज, 2,100 मेगाहर्ट्ज, 2,300 मेगाहर्ट्ज, 2,500 मेगाहर्ट्ज, 3,300 मेगाहर्ट्ज और 26 गीगाहर्ट्ज बैंड में सभी उपलब्ध स्पेक्ट्रम नीलामी का हिस्सा हैं। नीलामी की जा रही कुल 'फ्रीक्वेंसी' का मूल्य 96,317 करोड़ रुपये है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 220 अंक , निफ़्टी 44 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी मुनाफावसूली हावी होने से आई है। इसी कारण दिन भर बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहा। लोकसभा चुनावों के परिणामों से पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया हुआ है। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक और आईटीसी के शेयर में गिरावट से भी बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 0.29 फीसदी करीब 220.05 अंक नीचे आकर 75,170.45 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी अच्छी शुरुआत के बाद भी 44.30 अंक तकरीबन 0.19 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में पावर ग्रिड, एनटीपीसी, टेक महिंद्रा, भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स, इंडसइंड बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, कोटक महिंद्रा बैंक और मारुति के शेयर नीचे आये जबकि एशियन पेंट्स, विप्रो, जेएसडब्ल्यू स्टील, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फिनसर्व और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर ऊपर आये। वहीं गत दिवस वाहन क्षेत्र के शेयरों के साथ ही बैंकिंग और आईटी शेयरों में बढ़त से गत दिवस सेंसेक्स और निफ्टी इंट्राडे ट्रेड के दौरान शीर्ष पर पहुंच गये थे। हालांकि, निवेशकों की अंतिम घंटे में मुनाफावसूली से बाजार नीचे आ गया। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 194.9 अंक चढ़कर 75,585.40 पर पहुंच गया। इसी तरह एनएसई निफ्टी भी 59.95 अंक बढ़कर 22,992.40 पर पहुंच गया। सेंसेक्स की कंपनियों में एनटीपीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, विप्रो, भारतीय स्टेट बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ, टेक महिंद्रा और आईटीसी समेत, पावर ग्रिड, एशियन पेंट्स और टाइटन गिरावट में कारोबार कर रहे थे।

एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्केई 0.14 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था, जबकि कोरिया का कोस्पी 0.15 फीसदी ऊपर था। गत दिवस अमेरिकी बाजार बंद थे।

आरबीआई का रिकॉर्ड लाभांश भुगतान 0.6 फीसदी जीडीपी के बराबर: फिच

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की सरकार को रिकॉर्ड लाभांश देने की घोषणा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 0.6 प्रतिशत के बराबर है लेकिन इस उच्च प्रतिशत के बरकरार रह पाने की संभावना बहुत कम है। यह बात फिच रेटिंग्स द्वारा कही गई है। आरबीआई के निदेशक मंडल ने पिछले सप्ताह वित्त वर्ष 2023-24 में कमाए मुनाफे में से सरकार को रिकॉर्ड 2.1 लाख करोड़ रुपये का लाभांश हस्तांतरित करने का फैसला लिया था। यह अंतरिम बजट में निर्धारित 1.02 लाख करोड़ रुपये के अनुमान के दोगुने से भी अधिक है। फिच ने बयान में कहा कि आरबीआई को पिछले वित्त वर्ष में अधिक लाभ होने के पीछे विदेशी परिसंपत्तियों पर उच्च ब्याज राजस्व की भूमिका नजर आती है। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने अभी तक इस बारे में कोई ब्योरा नहीं दिया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा, आरबीआई ने जीडीपी के 0.6 प्रतिशत के बराबर राशि सरकार को रिकॉर्ड-उच्च लाभांश के रूप में देने की घोषणा की। यह वित्त वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट में अपेक्षित जीडीपी के 0.3 प्रतिशत से अधिक है। इससे अधिकारियों को अल्पावधि के घाटे में कटौती के लक्ष्यों को पूरा करने में मदद मिलेगी। फिच ने कहा कि रिजर्व बैंक से सरकार को लाभांश हस्तांतरण विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है जिनमें केंद्रीय बैंक की बैलेंस शीट और भारत की विनिमय दर पर मौजूद संपत्तियों का आकार और प्रदर्शन शामिल हैं। इसके साथ ही यह बैलेंस शीट में बफर रखने से संबंधित आरबीआई की राय से भी प्रभावित हो सकता है। फिच ने कहा, ''हस्तांतरण की संभावित अस्थिरता का मतलब है कि उनके मध्यम अवधि के मार्ग के बारे में खासी अनिश्चितता है। हम यह अनुमान नहीं लगा पाते हैं कि जीडीपी के हिस्से के रूप में लाभांश इतने उच्चस्तर पर कायम रहेगा। हालांकि, इस अप्रत्याशित लाभांश हस्तांतरण से चालू वित्त वर्ष के लिए राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 5.1 प्रतिशत पर रखने के लक्ष्य करे हासिल किया जा सकेगा और इसका उपयोग मौजूदा लक्ष्य से परे घाटे को कम करने के लिए किया जा सकता है। चार जून को चुनाव परिणाम जारी होने के बाद नई सरकार का बजट जुलाई में पेश होने की संभावना है।

एचएसबीसी म्यूचुअल फंड मामले में सेबी को 24 लाख का भुगतान

नई दिल्ली । एचएसबीसी म्यूचुअल फंड के मामले में एचएसबीसी एसेट मैनेजमेंट (इंडिया), इसके स्वतंत्र निदेशकों जैस्मीन बाटलीवाला एवं नानी जवेरी और दो अन्य ने बाजार नियामक सेबी को लगभग 24 लाख रुपये का भुगतान किया है। म्यूचुअल फंड नियमों के कथित उल्लंघन से संबंधित मामला निपटाने के लिए यह भुगतान किया गया है। निपटान शुल्क का भुगतान संस्थाओं द्वारा संयुक्त और कई देनदारियों के आधार पर किया गया। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा कि एचएसबीसी एसेट मैनेजमेंट इंडिया, जैस्मीन बाटलीवाला, नानी जवेरी, हो वाई फन और टीसी नायर ने एक वचन पत्र प्रस्तुत किया था कि निपटान राशि एचएसबीसी की म्यूचुअल फंड योजनाओं के यूनिटधारकों द्वारा वहन नहीं की जाएगी या उनसे शुल्क नहीं लिया जाएगा। यह आदेश तब आया जब नोटिसकर्ताओं ने नोटिस में सेबी की टिप्पणियों को स्वीकार या अस्वीकार किए बगैर चार अगस्त, 2023 को कारण बताओ नोटिस के माध्यम से उनके खिलाफ शुरू की गई कार्यवाही को निपटाने का प्रस्ताव दिया। सेबी ने म्यूचुअल फंड (एमएफ) नियमों के कथित उल्लंघन के लिए नोटिस पाने वालों के खिलाफ न्यायिक कार्यवाही शुरू की थी।

रिजर्व बैंक ने यस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक पर लगाया करोड़ों का जुर्माना

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक ने निजी क्षेत्र के दो बड़े बैंकों यस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक पर करोड़ों रुपए का जुर्माना लगाया है। बैंकिंग रेगुलेटर का कहना है कि यस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक केंद्रीय बैंक के कई नियमों का उल्लंघन कर रहे थे। इसके चलते यस बैंक पर 91 लाख रुपए और आईसीआईसीआई बैंक पर 1 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। आरबीआई के मुताबिक यस बैंक पर कस्टमर सर्विस और इंटरनल एंड ऑफिस अकाउंट से जुड़े दिशानिर्देशों के उल्लंघन का आरोप था। आरबीआई के सामने ऐसे कई मामले आए जहां बैंक ने पर्याप्त बैलेंस न होने पर कई अकाउंट से चार्ज वसूला। साथ ही इंटरनल एंड ऑफिस अकाउंट से अवैध गतिविधियां की जा रही थीं। आरबीआई ने अपने मूल्यांकन में पाया कि साल 2022 के दौरान यस बैंक की ओर से ऐसा कई बार किया गया। बैंक ने फंड पार्किंग और कस्टमर ट्रांजेक्शन को रूट करने जैसे अवैध उद्देश्यों के लिए अपने ग्राहकों के नाम पर कुछ इंटरनल अकाउंट खोले और चलाए थे। इन सभी निर्देशों का पालन करने के चलते बैंक पर 91 लाख का जुर्माना लगाया गया है। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक को लोन और एडवांस से जुड़े निर्देशों का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया है। इसके लिए बैंक को 1 करोड़ का जुर्माना भरना पड़ेगा।

मस्क की कंपनी एक्सएआई ने 6 अरब डॉलर फंड जुटाया

वाशिंगटन ।

एलन मस्क की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी एक्सएआई की ओर से कहा गया कि उसने आने वाले समय की टेक्नोलॉजी के विकास और अध्ययन के लिए 6 अरब डॉलर जुटा लिए हैं। मस्क की एआई कंपनी की ओर से ये जानकारी सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर दी गई। कंपनी के पोस्ट के जवाब में एलन मस्क ने लिखा कि आने वाले समय में हम कई और घोषणाएं करने वाले हैं। मस्क ने कंपनी के फंडिंग जुटाने को लेकर एक अन्य पोस्ट के जवाब में कहा कि इसका प्री-मनी वैल्यूएशन 18 अरब डॉलर था। कंपनी ने बताया कि सीरीज बी में जुटाई गई इस फंडिंग का इस्तेमाल एक्सएआई के पहले उत्पादों को बाजार में उतारने और एडवांस इन्फ्रास्ट्रक्चर को बनाने में उपयोग किया जाएगा। कंपनी ने अपनी ब्लॉग पोस्ट में कहा कि एक्सएआई का पूरा ध्यान एक एडवांस एआई सिस्टम बनाने को लेकर है। सही, सक्षम और मानवता को अधिक से अधिक फायदा पहुंचाने वाला होगा। कंपनी का मिशन यूनिवर्स के सही अर्थ को जानना है। एक्स एआई की ओर से एआई चैटबॉट ग्रॉक को पेश किया गया है। इसमें वेलोर इक्विटी पार्टनर्स, वीवाई कैपिटल, आंद्रेसेन होरोविट्ज, सिकोइया कैपिटल, फिडेलिटी मैनेजमेंट, रिसर्च कंपनी, प्रिंस अलवलीद बिन तलाल और किंगडम होल्डिंग आदि ने निवेश किया हुआ है। इसके अलावा एक्सएआई ने कहा कि वह आने वाले समय में नए टेक्नोलॉजी अपडेट्स और उत्पाद पेश करेंगे। इस महीने की शुरुआत में एक्सएआई की ओर से 500 मिलियन डॉलर का फंड जुटाया गया था। एक्सआई की स्थापना 2023 में हुई थी। इसका पहला एआई उत्पाद नवंबर में पिछले साल लॉन्च किया गया था। इसके अलावा ग्रॉक एआई का 1.5 मॉडल भी हाल ही में लॉन्च किया गया। ये लंबे टेक्स्ट लिख सकता है। वहीं, ग्रॉक-1.5वी तस्वीरों को भी आसानी से समझ सकता है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

देश भर में बुधवार को पेट्रोल-डीजल के नए दाम जारी कर दिए गए हैं। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर देश में ईंधन की कीमतें तय की जाती हैं। पेट्रोल-डीजल पर राज्य सरकारें अपने-अपने स्तर से वैट और अन्य टैक्स लगाती हैं जिस वजह से इनकी कीमत भी देश भर में अलग-अलग होती हैं। मंगलवार को देश की राजधानी दिल्ली समेत अन्य महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया जैसी कंपनियां अपनी वेबसाइट पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों को जारी करती हैं। राजधानी दिल्ली में आज पेट्रोल के दाम 94.72 रुपये, तो वहीं डीजल के दम 87.62 रुपये प्रति लीटर हैं। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल की कीमत 90.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये, तो वहीं डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है। वहीं नोएडा में पेट्रोल 94.65 रुपये है, तो वहीं डीजल 87.75 रुपये बिक रहा है। लखनऊ में पेट्रोल 94.65 रुपये है, तो वहीं डीजल 87.76 रुपये है। गाजियाबाद में पेट्रोल का भाव 94.65 रुपये है, तो वहीं डीजल 87.75 रुपये बिक रहा है। मुजफ्फरनगर में पेट्रोल 94.63 रुपये है, तो वहीं डीजल के दाम 87.72 रुपये हैं। मेरठ में पेट्रोल 94.43 रुपये हैं, तो वहीं डीजल के दाम 87.49 रुपये हैं। जोधपुर में पेट्रोल का दाम 104.70 रुपये है, तो वहीं डीजल 91.20 रुपये बिक रहा है। जयपुर- जयपुर में पेट्रोल के दाम 104.88 हैं तो वहीं डीजल के दाम 90.36 रुपये हैं।

डिश टीवी का मार्च तिमाही में घाटा बढ़कर 1,990 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली ।

डीटीएच सेवा प्रदाता डिश टीवी का घाटा मार्च तिमाही में बढ़कर 1,989.69 करोड़ रुपये हो गया। ओटीटी मंच वॉचो में निवेश के नुकसान से उसका घाटा बढ़ा है। कंपनी ने शेयर बाजार को जनवरी-मार्च, 2024 के इस वित्तीय नतीजे की सूचना दी। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 1,710.62 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। आलोच्य अवधि में डिश टीवी की परिचालन आय 19.38 प्रतिशत घटकर 406.95 करोड़ रुपये पर आ गई जो एक साल पहले की समान तिमाही में 504.82 करोड़ रुपये थी। परिचालन राजस्व में विपणन एवं प्रचार शुल्क, विज्ञापन आय और अन्य आय शामिल हैं।डिश टीवी के मुताबिक मार्च तिमाही में उसका असाधारण वस्तुओं पर व्यय 402.69 करोड़ रुपये था। इसमें अमूर्त संपत्तियों की हानि के रूप में 301.7 करोड़ रुपये और संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण के नुकसान के रूप में 101 करोड़ रुपये शामिल हैं। मार्च तिमाही में डिश टीवी का कुल खर्च 42.92 प्रतिशत घटकर 426.37 करोड़ रुपये रहा। समूचे वित्त वर्ष 2023-24 में डिश टीवी का एकीकृत घाटा बढ़कर 1,966.57 करोड़ रुपये हो गया जबकि 2022-23 में यह 1,683.54 करोड़ रुपये था। पिछले वित्त वर्ष में डिश टीवी का परिचालन राजस्व 2,261.85 करोड़ रुपये से 17.9 प्रतिशत घटकर 1,856.53 करोड़ रुपये रहा।

गौतम गंभीर बनेंगे भारतीय टीम के नए हेड कोच! बीसीसीआई से हुई चर्चा, कभी भी हो सकता है ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम का नया हेड कोच राहुल द्रविड़ के बाद कौन होगा, इस पर जल्द ही नए कोच के नाम का ऐलान हो सकता है। दरअसल, मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया जा रहा है कि, हेड कोच के लिए सबसे आगे गौतम गंभीर का नाम चल रहा है। गंभीर ने इसके लिए आवेदन भी कर दिया है। बताया जा रहा है कि उनकी बीसीसीआई से चर्चा भी हो गई है। गंभीर आईपीएल 2024 की विजेता टीम केकेआर के मेंटॉर हैं।

क्रिकबज की रिपोर्ट में इस बात का दावा किया गया है कि अब गौतम गंभीर इस पद के बड़े दावेदार हैं। इस सप्ताह केकेआर की तीसरी खिताबी जीत के बाद गंभीर हेड कोच पद के अहम दावेदार माने जा रहे हैं। गंभीर 2007 टी20 वर्ल्ड कप और 2011 के वर्ल्ड कप के दौरान भारतीय टीम का हिस्सा थे। इस टी20 वर्ल्ड कप के अंत में राहुल द्रविड़ का कार्यकाल खत्म हो जाएगा।

साथ ही रिपोर्ट में ये भी दावा किया जा रहा है कि गंभीर ने अपने करीबी लोगों से कहा है कि वह इस पद को लेकर विचार कर रहे हैं। इस बात का अंदाजा केकेआर टीम के सह मालिक शाहरुख खान को भी है। फिलहाल, 27 मई को आवेदन भेजने का आखिरी दिन था। ऐसी संभावना है कि उन्होंने इस भूमिका के लिए औपचारिक रूप से आवेदन किया है। हालांकि, अभी तक किसी भी ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

वहीं एक आईपीएल फ्रेंचाइजी के मालिक जो बीसीसीआई के टॉप लेवल के अधिकारियों के बहुत करीब हैं, उन्होंने क्रिकबज को बताया कि गंभीर को हेड कोच बनाने को लेकर डील हो गई है, जिसको लेकर बस घोषणा होना बाकी है।

निशानेबाजों ने शीर्ष राइफल कोच पर लगाया बंदूक से छेड़छाड़ का आरोप

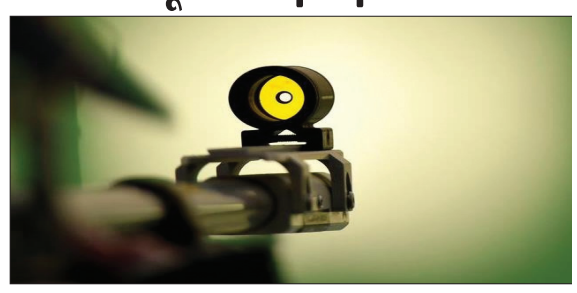

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय कोच पर कुछ निशानेबाजों के अभिभावकों ने उनकी राइफलों के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है जिसका राष्ट्रीय महासंघ ने खंडन किया है। कथित तौर पर प्रभावित एक निशानेबाज के अभिभावक ने गोपनीयता की शर्त पर मंगलवार को पीटीआई को बताया कि कोच ने उनके बेटे की राइफल से छेड़छाड़ कर दी थी जिसके कारण उन्हें नए उपकरण खरीदने पड़े। उन्होंने हालांकि कोच की पहचान बताने से भी इंकार कर दिया।

इस निशानेबाज के पिता ने कहा, 'कोच ने मेरे बेटे की बंदूक को खराब कर दिया, इस कारण हमें नई बंदूक खरीदनी पड़ी। विश्व कप से एक दिन पहले निशानेबाज की अनुमति के बिना कोच बंदूक में इस तरह के बदलाव कैसे कर सकता है।' उन्होंने कहा, 'यह पिछले साल भोपाल में आईएसएसएफ विश्व कप के दौरान हुआ था। यह कोच जब भी टीम के साथ विदेश जाता है तब ऐसा होता है। कोच का तर्क होता है कि आपको प्रयोग करने की जरूरत है लेकिन विश्व कप से एक दिन पहले आप किस तरह के प्रयोग कर रहे हैं।'

उन्होंने बताया कि कई निशानेबाज इस संबंध में एनआरएआई (भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ) को भी सूचित कर चुके हैं। एनआरएआई के महासचिव राजीव भाटिया ने हालांकि इन आरोपों का खंडन किया और कहा कि उन्हें इस तरह की किसी घटना का पता नहीं है।

भाटिया ने कहा, 'मुझे कोई पता नहीं है। किसी ने भी हमसे संपर्क नहीं किया। किसी ने भी हमारे पास शिकायत दर्ज नहीं की है। मुझे नहीं लगता कि ऐसा हुआ होगा। अगर ऐसा हुआ था तो फिर निशानेबाजों को खुलकर सामने आना चाहिए था। उनका चयन नहीं होने पर ही इस तरह के आरोप क्यों लगाए जा रहे हैं। भोपाल में विश्व कप पिछले साल मार्च में हुआ था और तब से काफी समय बीत चुका है।'

एक अन्य निशानेबाज के पिता ने आरोप लगाया कि इस कोच का बंदूकों से छेड़छाड़ करने का पुराना रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने कहा, 'मेरा बेटा विश्व कप खेलने गया था और कोच ने जूरी (सदस्य) के साथ मिलकर बंदूक के साथ छेड़छाड़ की थी। कोच का बंदूकों के साथ छेड़छाड़ का पुराना रिकॉर्ड है। हम इसे एनआरएआई के संज्ञान में नहीं लाए क्योंकि हमें प्रतिशोध का डर है।'

टी20 क्रिकेट पर ध्यान देने एकदिवसीय प्रारुप छोड़ सकते हैं स्टार्क

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने कहा है कि वह लंबे समय तक अधिक से अधिक टी20 प्रारुप खेलना चाहते हैं। इसलिए वह एकदिवसीय प्रारुप छोड़ सकते हैं। आईपीएल के इस सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने स्टार्क को नीलामी में रिकॉर्ड 24.75 करोड़ रुपये में खरीदा था और आईपीएल 2024 के अंत में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दो नॉकआउट मैचों में पांच विकेट के साथ ही टूर्नामेंट में कुल 17 विकेट लिए थे। स्टार्क ने कहा कि अब आने वाले समय में वह टी20 क्रिकेट पर सबसे ज्यादा ध्यान देंगे।

स्टार्क ने कहा, ''पिछले नौ साल में मैंने निश्चित रूप से ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को प्राथमिकता दी है। मैं अपने शरीर को आराम देने और परिवार के साथ कुछ समय बिताने का मौका पाने के लिए अधिकतर इन टूर्नामेंटों से हट गया इसलिए निश्चित रूप से पिछले नौ वर्षों में मेरा दिमाग इसी पर केंद्रित रहा है।'' उन्होंने कहा, ''मैं निश्चित रूप से अपने करियर के अंत के करीब हूं। इसलिए एक प्रारूप को हटाया जा सकता है। इससे उनके पास काफी फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलने का अवसर रहेगा।''

स्टार्क ने कहा कि इस साल के आईपीएल से उन्हें वेस्टइंडीज में एक जून से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी में भी सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि आईपीएल में खेलकर कई खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहतर हुआ है और उन्होंने लय हासिल की है।''स्टार्क को उम्मीद है कि वह अगले साल भी केकेआर के लिए खेलेंगे। स्टार्क का भी अन्य लोगों की तरह ही मानना है कि इंपेक्ट खिलाड़ी नियम के कारण आईपीएल में बड़े स्कोर बने हैं। उन्होंने कहा कि वह टी20 विश्व कप में स्पिनरों के लिए अधिक मदद की उम्मीद करते हैं।

नरेंद्र मोदी से लेकर धोनी तक, बीसीसीआई को मुख्य कोच पद के लिए मिले 3000 से अधिक फर्जी आवेदन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में राहुल द्रविड़ का कार्यकाल टी20 विश्व कप के बाद समाप्त होने वाला है। ऐसे में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इस महीने की शुरुआत में टीम इंडिया के हेड कोच पद के लिए आवेदन खोले थे जिसके आवेदन की अंतिम तिथि 27 मई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई को मुख्य कोच पद के लिए 3000 से अधिक के फर्जी आवेदन मिले हैं जिसमें भारत के मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी सहित गॉड ऑफ क्रिकेट सचिन तेंदुलकर तक शामिल हैं।

पिछले साल भी बीसीसीआई को ऐसी प्रतिक्रिया मिली थी, जहां धोखेबाजों ने आवेदन किया था और इस बार भी कहानी कुछ ऐसी ही है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने एक मीडिया हाउस से कहा, 'बीसीसीआई को गूगल फॉर्म पर आवेदन आमंत्रित करने का कारण यह है कि एक ही शीट पर आवेदकों के नामों की जांच करना आसान है।'

यह ध्यान देने वाली बात है कि यह पहली बार नहीं है जब बीसीसीआई को ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ा है। 2022 में, बीसीसीआई ने मुख्य कोच के पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए और उन्हें सेलिब्रिटी नामों का इस्तेमाल करने वाले धोखेबाजों से 5000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। लेकिन उन्हें ये आवेदन मेल के जरिए मिले और 2024 में उन्होंने गूगल फॉर्म पर आवेदन प्राप्त करने का विकल्प चुना। बीसीसीआई ने पुष्टि की कि नया भारतीय मुख्य कोच 2027 के वनडे विश्व कप तक काम करेगा। बीसीसीआई ने 13 मई को टीम इंडिया की पुरुष सीनियर टीम के मुख्य कोच की भूमिका के लिए आवेदन खोलते समय स्पष्ट किया था कि वह व्यक्ति 2027 के विश्व कप तक सभी प्रारूपों में कोच के रूप में काम करेगा जो 50 ओवर के प्रारूप में खेला जाएगा। अपने आधिकारिक बयान में बीसीसीआई ने कहा था कि उम्मीदवार को 'बड़े एथलीटों को संभालने से जुड़ी काम की अपेक्षाओं और दबावों को पूरा करने के लिए तैयार होना चाहिए।' इसके अलावा, इसमें आगे कहा गया कि उन्हें 'एक विश्व स्तरीय भारतीय क्रिकेट टीम विकसित करने में मदद करनी होगी जो सभी परिस्थितियों और प्रारूपों में निरंतर सफलता प्रदान करे, और खेल के प्रति अपने दृष्टिकोण से क्रिकेटरों और हितधारकों की वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरित करे।'

कनाडा ने नेपाल को 63 रनों से हराया

डलास। कनाडा ने यहां टी20 विश्व कप के लिए अपने पहले अभ्यास मैच में नेपाल को 63 रन से हरा दिया। कनाडा की जीत में चार विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज डाइलन हेलिगर की अहम भूमिका रही। इस मैच में कनाडा ने टॉस पहले बल्लेबाजी करते हुए निकोलस किर्टन के अर्धशतक 51 रनों और रविंदर पाल सिंह के नाबाद 41 रन की सहायता से सात विकेट पर 183 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए नेपाल की टीम 120 रन ही बना पायी। नेपाल की ओर से कुशाल मल्ला के अलावा कोई बल्लेबाज नहीं टिक पाया। कुशल ने 30 गेंद में 37 रन बनाए। नेपाल के सात बल्लेबाज ही दो अंकों में पहुंच पाये। हेलिगर के सामने नेपाल की टीम टिक नहीं पायी। इस गेंदबाज ने 20 रन देकर चार विकेट लिए। इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए कनाडा की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। आरोन जॉनसन का विकेट जल्द खोने के बाद किर्टन और नवनीत धालीवाल ने दूसरे विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी करके पारी को संभाला। वहीं हेलिगर ने नाबाद 13 रन बनाये। इस दौरान उनकी रविंदर पाल के साथ आठवें विकेट के लिए 48 रन की साझेदारी हुई। वहीं एक अन्य मुकाबले में त्रिनिदाद में ओमान ने पापुआ न्यू गिनी को हरा दिया।

टी20 विश्व में शिवम और यशस्वी पर रहेंगी नजरें : शास्त्री

दुबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा कि आगामी टी20 विश्व कप में शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल भारतीय टीम को जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। शास्त्री के अनुसार शिवम में बड़े शॉट लगाने की क्षमता है जिससे वह टीम की बड़ा स्कोर बनाने में सहायता कर सकते हैं। वहीं यशस्वी पारी की शुरुआत करते हुए बड़ी पारी खेली सकते हैं। शास्त्री ने कहा, 'दोनों अपना पहला विश्व कप खेल रहे हैं। यशस्वी ने इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। वह युवा है और बेखौफ होकर खेलता है। शिवम ने इस सत्र में 11 मैचों में 170.73 की स्ट्राइक रेट से 350 रन बनाए हैं। शास्त्री ने कहा, 'मध्यक्रम में वह आक्रामक तरीके से खेलता है और मैच विजेता है। वह मजे के लिये छक्के लगा देता है और स्पिन गेंदबाजी को आसनी से खेलता है। उन्होंने कहा, 'तेज गेंदबाजों के खिलाफ भी वह प्रभावी है। ऐसे में वह अगर पांचवें और छठे नंबर पर भी उतरे तो भी वह 200 के स्ट्राइक रेट से रन बनाकर मैच पलट सकता है।

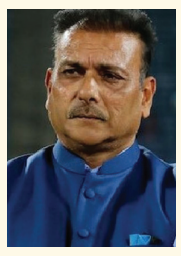

रिंकू अपने वेतन से खुश, कभी नहीं सोचा था कि इतना कमाएंगे

नई दिल्ली। आईपीएल की विजेता टीम केकेआर के आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह ने कहा है कि वह एक समय 5-10 रुपये के लिए भी तरसे हैं। इसलिए अब जबकि लाखों रुपये मिल रहे हैं। वह संतुष्ट हैं और उन्हें किसी प्रकार की शिकायत नहीं है। रिंकू पिछले आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद से ही सबकी नजरों में आये थे। उसके बाद से ही उन्हें टीम इंडिया में भी जगह मिल गयी थी। अब उन्हें टी20 विश्वकप के लिए भी रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल किया गया है। आईपीएल में जहां कई नये खिलाड़ियों को करोड़ों की रकम मिल रही है। वहीं रिंकू को केवल 55 लाख रुपये ही मिलते हैं। रिंकू को 2022 की नीलामी में केकेआर ने खरीदा था। उस समय उनका नाम इतना बड़ा नहीं था। इसी वजह से नीलामी में बड़ी बोली नहीं लगी पर अब जबकि वह टीम इंडिया में भी आ गये हैं उनका वेतन करोड़ तक नहीं पहुंच पाया है जबकि कई अनकैप्ड (गैरअनुभवी) खिलाड़ियों को करोड़ों की रकम मिल रही रही है। इसी को लेकर रिंकू ने कहा, 50-55 लाख भी बहुत होता है। जब शुरू किया था तब कभी नहीं सोचा था कि इतना कमाएंगे। उस समय बच्चे थे, तब 5-10 रुपये भी लगता था कि कैसे भी मिल जाएं। अब 55 लाख रुपये मिल रहे हैं तो यह बहुत है, ऊपर वाला जितना दे उसमें खुश रहना चाहिए। मेरी सोच यही है। मुझे ऐसा बिल्कुल नहीं लगता कि मुझे इतने पैसे मिलने चाहिए थे और उतने मिलने चाहिए थे। मैं 55 लाख रुपये में भी बहुत खुश हूं। जब ये नहीं हुआ करते थे तब पता चलता था कि पैसों का मूल्य कितना होता है।

अभ्यास मैचों के लिए खिलाड़ियों की कमी से जूझ रही ऑस्ट्रेलियाई टीम

-आईपीएल में शामिल खिलाड़ियों ने लिया ब्रेक

न्यूयार्क (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई टीम के कई खिलाड़ियों ने आईपीएल की थकान को उतारने के लिए खेल से ब्रेक ले लिया है। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई टीम के पास टी20 विश्व कप के अभ्यास मैचों के लिए खिलाड़ियों की कमी हो गयी है। इसलिए उसके अभ्यास मैचों में सहायक स्टाफ के सदस्यों को स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में है उतारना पड़ सकता है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ दो अभ्यास मैच खेलने हैं पर उसके पास दो मैचों के लिए केवल आठ खिलाड़ी ही उपलब्ध हैं क्योंकि अधिकांश आईपीएल प्ले ऑफ में खेलने के बाद ब्रेक ले लेंगे। इस दौरान पैर की मांसपेशियों की चोट से उबर रहे कप्तान मिशेल मार्श भी नामीबिया के खिलाफ अभ्यास मैच शायद ही खेल पायें। प्रबंधन ने मान है कि खिलाड़ियों की कमी है पर कहा कि ये एक ह अभ्यास मैच है। साथ ही कहा कि जिन खिलाड़ियों को खेलने की जरूरत है वे खेलेंगे और हम फिर वहां से तय करेंगे। ट्रेविस हेड, पैट कमिंस और मिचेल मार्श ने अभी ब्रेक लिया है।

इन तीनों के अलावा रॉयल कैमरन ग्रीन और ग्लेन मैक्सवेल भी इस हफ्ते के अंत में ही बारबडोस में विश्व कप टीम के साथ जुड़ेंगे जबकि मार्कस स्टोइनिस के भी बाद में ही पहुंचने की उम्मीद है। रिजर्व खिलाड़ी जैक फ्रेजर-मैकगर्क और मैट शॉर्ट भी पांच जून को ओमान के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के पहले टी20 विश्व कप मैच के बाद ही टीम से जुड़ेंगे।

मार्श ने कहा, 'लचीला होना जरुरी है। जिन खिलाड़ियों ने आईपीएल खेला है उन्हें हमने अपने परिवार से मिलने, तरोताजा होने और अपने घर पर कुछ दिन बिताने के लिए समय दिया है। आईसीसी के नियमों के अनुसार अभ्यास मैचों में मैदान पर उतरने वाले खिलाड़ियों को उसी देश से होना चाहिए जिसका वे प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इसका मतलब है एंड्रयू मैकडोनाल्ड, ब्रैड हॉज, जॉर्ज बेली आद्रे बोरोवेक जैसे सहयोगी स्टाफ को मैदान पर उतरना पड़ सकता है।

सऊदी प्रो लीग में छाए रोनाल्डो, सत्र में सर्वाधिक गोल का रिकॉर्ड बनाया

रियाद - दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग फुटबॉल सत्र का अंत सर्वाधिक गोल के रिकॉर्ड के साथ किया। अल नासर की अल इतिहाद पर 4-2 की जीत के दौरान रोनाल्डो ने विजेता टीम की ओर से दो गोल दागे। इसके साथ ही लीग में उनके गोलों की संख्या 35 हो गई जो 2019 में बनाए अब्दररजाक हमदल्लाह के पिछले रिकॉर्ड से एक गोल अधिक है। अल नासर की टीम 82 अंक के साथ लीग में दूसरे स्थान पर रही। टीम स्थानीय दावेदार अल हिलाल से 14 अंक पीछे रही जिसने दो हफ्ते से भी अधिक समय शेष रहते चैंपियनशिप जीत ली थी और सोमवार को सत्र का अंत 34 दौर की लीग में अजेय रहते हुए किया। टीम ने अपने अंतिम लीग मैच में अल वेहदा को 2-1 से हराया। अल हिलाल की टीम नेमार की गैरमौजूदगी में भी विरोधी टीमों पर आसानी से दबदबा बनाने में सफल रही। नेमार पिछले साल अगस्त में पेरिस सेंट जर्मेन को छोड़कर इस टीम से जुड़े थे लेकिन अक्टूबर में एसीएल की चोट के कारण पूरे सत्र से बाहर हो गए।

पूर्व भारतीय खिलाड़ी का बयान, कहा- 'टी20 वर्ल्ड कप के दौरान हार्दिक पंड्या के लिए बदल जाएगा माहौल', रोहित-कोहली का भी किया जिक्र

नई दिल्ली(एजेंसी)। पूरी दुनिया के क्रिकेट फैंस टी20 वर्ल्ड कप 2024 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। टूर्नामेंट का आगाज 1 जून से होने वाला है। वहीं ये टी20 वर्ल्ड कप 2024 में ग्रुप और सुपर-8 चरण में खेला जाना है। टूर्नामेंट में 4 ग्रुप ए, बी, सी, डी हैं, जिनमें ग्रुप ए में भारतीय टीम शामिल है। टीम इंडिया का पहला मुकाबला 5 जून को आयरलैंड से न्यूयॉर्क के नासाऊ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर खेला जाना है। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में हिस्सा लेने के लिए टीम इंडिया के कई खिलाड़ी अमेरिका पहुंच चुके हैं। बाकि अगले दिनों में पहुंच जाएंगे। वहीं टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज हरभजन सिंह ने भारतीय टीम को कुछ सुझाव दिए हैं। वहीं हरभजन सिंह इस बात से काफी प्रभावित हैं कि कैसे विराट कोहली ने इस साल के आईपीएल के दौरान कई शॉट्स जोड़कर टी20 खेल में बदलाव किया, जिससे उनके स्ट्राइक रेट में काफी सुधार हुआ है। हरभजन सिंह ने पीटीआई से बातचीत में कहा कि, विराट कोहली ने पिछले साल से इस साल तक काफी सुधार दिखाया है। लोग उनके स्ट्राइक रेट के बारे में भी बात करते हैं। पिछले साल ये 130 के आसपास था जबकि इस बार 160 के आसपास है। साथ ही भारतीय दिग्गज ने कहा कि, मुझे लगता है कि यशस्वी जायसवाल को खेलना चाहिए। मुझे नहीं पता कि वे इसे प्लेइंग इलेवन में कैसे शामिल करने जा रहे हैं। लेकिन अगर वह नहीं खेलता है तो जाहिर तौर पर रोहित और विराट को ओपनिंग करने और टी20 फॉर्मेट की तरह खेलने की जरूरत है। रोहित शर्मा को लेकर हरभजन सिंह बोले, वह पहले 6 ओवरों में तेजी से रन बनाने के लिए हमेशा अपनी बल्लेबाजी में बड़ा बदलाव चाहते हैं। अगर ऐसा परिदृश्य है तो, अनुभव के सात जा रहे हैं, लेकिन उन्हें विराट कोहली और रोहित शर्मा ध्यान में रखना होगा कि वह टी20 फॉर्मेट में खेल रहे हैं। उन्हें परिस्थितियों का साम्मना करना होगा। साथ ही हरभजन सिंह ने हार्दिक पंड्या के साथ सहानुभूति जताई है। उन्होंने कहा कि, हार्दिक पंड्या करियर में एक चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहे हैं। हालांकि, हरभजन को उम्मीद है कि ये ऑलराउंडर अगले महीने होने वाले टी20 वर्ल्ड के दौरान शानदार प्रदर्शन करेगा। हार्दिक पंड्या को आईपीएल 2024 के दौरान जब भी मैदान पर उतरते थे तो उन्हें हूटिंग का शिकार होना पड़ता था।

15 साल बाद भारत में होगी विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप

नई दिल्ली। विश्व जूनियर चैंपियनशिप अगले साल 2025 में भारत में होगी। इसका आयोजन गुवाहाटी में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में किया जाएगा। बैडमिंटन की वैश्विक संचालन संस्था (बीडब्ल्यूएफ) ने कहा कि करीब 15 साल बाद ये चैंपियनशिप भारत में होने जा रही है। इससे पहले साल 2008 में इसका आयोजन भारत में हुआ था। बीडब्ल्यूएफ ने कहा, ''टीम और व्यक्तिगत दोनों स्पर्धाएं गुवाहाटी राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में आयोजित की जाएंगी।'' पिछली बार इन खेलों का आयेजन पुणे में हुआ था। वहीं इसको लेकर बीडब्ल्यूएफ के अध्यक्ष पॉल-एरिक होयर ने कहा, ''भारत में तेजी से बैडमिंटन में बेहतरीन प्रतिभाएं सामने आ रही हैं, ऐसे में विश्व जूनियर प्रतियोगिता का दूसरी बार भारत में आयोजनप और भी अहम है।'' उन्होंने कहा, ''बीएआई के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र बैडमिंटन में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं है और ऐसे में यह उभरती हुई प्रतिभाओं के लिए टीम और व्यक्तिगत खिताब के लिए चुनौती पेश करने का बेहतरीन स्थान होगा।'' इस टूर्नामेंट की तारीखों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। वहीं बीडब्ल्यूएफ के थॉमस और उबेर कप फाइनल्स का अगला सत्र डेनमार्क के होर्सेन्स में होगा।

फ्रेंच ओपन के रहले राउंड हारे राफेल नडाल, इस साल संन्यास का ऐलान कर सकते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के बेहतरीन टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल फ्रेंच ओपन के पहले दौर में हारकर बाहर हो गए हैं। अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ मैच में नडाल को सीधे सेट में 3-6, 6-7, 3-6 से हार मिली। माना जा रहा है कि, 14 बार के चैंपियन का रोलां गैरो पर ये आखिरी मैच था। अपने लंबे और सुनहरे करियर में पहली बार नडाल क्लेकोर्ट पर लगातार दो मैच हारे हैं। फ्रेंज ओपन में पहली बार वह चौथे दौर से पहले बाहर हुए हैं। क्लेकोर्ट पर इस ग्रैंडस्लैम में उन्होंने 116 मैचों में 112 जीते हैं।

राफेल नडाल को संभवतः आखिरी बार खेलते देखने के लिए करीब 15000 दर्शक मौजूद थे, जिन्होंने तालियां बजाकर उनका अभिवादन किया। 22 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नडाल तीन जून को 38 साल के हो जाएंगे। वह जनवरी 2023 से कूल्हे और पेट की चोटों से जूझ रहे हैं। इस साल उन्होंने 15 मैच खेले और उनका रिकॉर्ड 8-7 का रहा है। चोटों की वजह से उनकी रैंकिंग गिरकर 275वीं हो गई और फ्रेंच औपन में पहली बार वह गैर वरीय खिलाड़ी थे।

इसी कारण से पहले ही दौर में उनका सामना चौथी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव से हुआ जो 2020 अमेरिकी ओपन उपविजेता रहे, टोक्यो ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीता और पिछले तीन साल में हर बार यहां सेमीफाइनल में पहुंचने वाले इकलौते खिलाड़ी हैं। नडाल ने संकेत दिया था कि 2024 उनका आखिरी सत्र होगा लेकिन उन्होंन शनिवार को ये कहा था कि उन्हें शत प्रतिशत यकीन नहीं है कि वह फ्रेंच ओपन में दोबारा नहीं खेलेंगे।

वहीं बता दें कि, रोजर फेडरर जैसे खिलाड़ी नडाल को फ्रेंच ओपन में नहीं हरा पाए हैं। वह फ्रेंच ओपन में इससे पहले 2010 में रॉबिन सोडरलिंग से और 2015 और 2021 में नोवाक जोकोविच से हारे थे। एक बार वह इंजरी की वजह से हट गए थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बाइक राइडिंग का रखते हैं शौंक तो बेस्ट हैं ये जगहें!

अगर आप भी काम करते-करते थक गए हैं और बाइंकिग का भी शौंक रखते हैं तो और किसी छोटे वेकेशन की प्लानिंग कर रहे हैं तो निकल जाएं इन शानदार सड़कों के सफर पर। जहां ऊंचे पहाड़, गहरे झरने खूबसूरत हरे-भरे जंगल आपका इंतजार कर रहे हैं। ऐसी जगह खास तौर पर उन लोगों के लिए अच्छी है जो कि बाइक राइडिंग के शौकीन हैं। यहां पर आप कुदरती नजारों, पहाड़ों, झरनों का भी मजा ले सकते हैं। आइए जानते है उन जगहों के बारे में....

1. लेह, लद्दाख

चारो तरफ पहाड़ों से घिरे इस रूट पर ड्राइविंग का अपना एक अलग ही मजा आता है। ऊंचे पहाड़ों के बीच से निकलता खारदूंगला रोड, जो दुनिया भर में अपनी ऊंचाई के लिए जाना जाता है पर घूमने का अलग ही मजा है। इसके अलावा यहां का मैग्नेरटिक रोड खासतौर से मशहूर है। यहां पर टूरिस्ट अप्रैल से अगस्त तक बाइक राइडिंग करने के लिए आते हैं।

2.स्पीति वैली, हिमाचल

लद्दाख से थोड़ी ही दूर हिमाचल की स्पीति वैली हैं। बाइक से स्पीती वैली तक पहुंचने के लिए काजा, टैबो, स्पीती और पीन वैली जैसी कई खूबसूरत जगहें देखने को मिलती हैं। यहां पर सड़कों के किनारे सेब, खूबानी के पेड़ और सतलुज नदी की खूबसूरती के साथ प्राचीन मंदिरों को भी देख सकते है।

3.वालपराई और वाझाचल फॉरेस्ट

बाइक राइडिंग के लिए यह सबसे बेस्ट रूट है। यहां राइडिंग के दौरान घने, हरे-भरे जंगल और कई सारे छोटे-छोटे वाटर फॉल्स का नजारा देखने को मिलता है।।

4.गोवा, मुंबई

इंडिया के बिजनेस कैपिटल मुंबई से गोवा तक बाइक से सफर करना भी काफी मजेदार है। अमेरिका के 101 हाइवे से काफी मिलती-जुलती इस सड़क को इंडिया में बेस्ट कोस्टल राइडिंग के लिए जाना जाता है।

5.वेस्टर्न, अरुणाचल प्रदेश

हिमालय की ऊंची चोटियों को राइडिंग के वक्त देखना बहुत ही अच्छा एक्सपीरिएंस होता है। हालांकि यहां सड़कों की कमी है जिसके चलते ऊंचे-नीचे पहाड़ी रास्तों से गुजरना होता है। सफर के दौरान बर्फ से ढ़की सड़कें, ट्राइबल कल्चर और उनकी अलग सी लाइफस्टाइल को कैमरे में आसानी से कैद किया जा सकता है।

6. जैसलमेर, जयपुर

दोनों तरफ रेगिस्तारन और बीच में हाईवे का सफर में आपको राजस्थानी कल्चर देखने के कई मौके मिलते हैं। इसके साथ ही बीच-बीच में जोधपुर, ओसियां, पोकरन जैसे स्टॉकपेज आते हैं जो आपकी सैर को और भी मजेदार बनाएंगे।

एलीफेंट बीच अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है। छुट्टियों में परिवार के साथ यदि आप भीड़भाड़ से अलग शांति और सूकुन वाली जगह की तलाश में है तो अंडमान-निकोबर बेस्ट जगह है। खूबसूरत कुदरती नज़ारों और साफ समुद्री तटों वाले अंडमान की शांति और सुंदरता हर किसी का मन मोह लेती है।

खूबसूरत कुदरती नज़ारों और बीचों की सैर करनी है तो जाएं अंडमान-निकोबार

साफ-सुंदर बीच

पानी से अटखेलियां करना पसंद है तो अंडमान के बीच आपको बुला रहे हैं। यहां के साफ पानी में आप स्कूबा डाइविंग, स्विमिंग, स्कीइंग, पैरास्लाइडिंग, बनान बोट राइड, अंडर वॉटर वॉकिंग आदि एडवेंचर गेम्स का मजा ले सकते हैं। स्कूब डाइविंग के दौरान समुद्र के नीचे रंग-बिरंगी मछलियों से मिलने का अनुभव यादगार बन जाएगा। यहां के बीच अपनी खूबसूरती और स्वच्छता के लिए मशहूर हैं। बीचों की सफेद और चमकीली रेत पर लेटकर जूस और कोल्ड ड्रिंक का मजा लें। क्योंकि अंडमान अपने बीचों के लिए ही मशहूर है तो कुछ खास बीचों की सैर करना न भूलें।

एलीफेंट बीच

यह अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है।

राधानगर बीच

हैवलॉक द्वीप पर स्थित यह बीच भी बहुत मनोरम हैं यहां के दृश्य बेहद सुंदर हैं। अंग्रेजी मैगज़ीन टाइम द्वारा इसे भारत के सबसे अच्छे बीचों में से एर माना गया और पूरी दुनिया का यह सांतवा बेस्ट बीच है। फोटोशूट के लिए यह बीच एकदम परफेक्ट हैं तो यदि आप अंडमान जाएं तो इस बीच पर फोटो खिंचवाना न भूलें।

विजयनगर बीच

यह बीच भी अंडमान के बेस्ट बीचों में से एक है जो सैलानियों के बीच बहुत पॉप्युलर है। यहां का पानी बहुत साफ है और वातावरण स्वच्छ और सुंदर। यहां आप स्वीमिंगस बोटिंग, सर्फिंग और फोटोग्राफी का मज़ा ले सकते हैं। अंडमान के बीच फिलहाल अन्य जगहों के बीचों से साफ और सुंदर है, तो आप यदि कुदरत की गोद में सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं तो अगली छुट्टी अंडमान में बिताएं।

काला पत्थर बीच

यह बीच भी बहुत सुंदर और शांत है। परिवार के साथ सुकून भरे तो पल बिताने वालों के लिए यह परफेक्ट जगह है। यहां की रेत चांदी की तरह चमकती है। इस बीच पर आप सनबाथ का मज़ा ले सकते हैं।

बेस्ट टाइम

572 छोटे-बड़े द्वीपों से मिलकर बना है अंडमान। यह देश के सबसे आकर्षक टूरिस्ट प्लेसेज में से एक है। सितंबर से लेकर मार्च तक का समय यहां जाने के लिए सबसे अच्छा है, क्योंकि तब आप यहां की कुदरती खूबसूरती के साथ ही सुहावने मौसम का पूरा मजा ले सकेंगे।

मलेशिया है बेहद ही खूबसूरत, बिताए गर्मियों की छुट्टियां

मलेशिया की राजधानी क्वालालम्पुर के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कदम रखते ही मुझे लगा कि मैं यूरोप, आस्ट्रेलिया या अमेरिका जैसे किसी विकसित देश की धरती पर खड़ी हूं। क्रोम और शीशे से बना यह हवाई अड्डा विश्व के सबसे आधुनिक हवाई अड्डों में एक है। चमकते हुए ग्रेनाइट के फर्श, नवीनतम तकनीक से लैस सभी सुविधाएं तथा डयूटीफ्री सामानों से भरी चमचमाती हुई दुकानें यहां आने वाले हर पर्यटक को सहज ही प्रभावित कर लेती हैं। मुझे लगा कि जब इतने ही दिनों में मलेशिया इतनी तरक्की कर सकता है तो हम क्यों नहीं? पर इस प्रश्न का जवाब सोचने से पहले ही मुझे पता लगा कि क्वालालम्पुर से पिनांग जाना है और वहां पहुंचने के लिए लगभग 40 मिनट की उड़ान फिर भरनी है। अभी भारतीय समय के अनुसार सुबह के पांच बजे थे, पर हवाई अड्डे की घड़ी सुबह साढ़े सात का समय दिखा रही थी यानी मलेशिया व भारत के समय में ढाई घंटे का अंतर था। मैंने स्थानीय समय के अनुसार अपनी घड़ी मिलाई और पिनांग जाने वाले विमान में बैठ गई।

सुपारी के पेड़ों वाला द्वीप

मलेशिया पर्यटन विभाग की ओर से गए हम आठ लोग थे जिनका स्वागत बहुत ही गर्मजोशी से पिनांग हवाई अड्डे पर टूर गाइड लेना व एडी ने किया। हवाई अड्डे से अपने होटल मुतियारा बीच रिसोर्ट तक जाते हुए लेना व एडी ने हमें पिनांग के बारे में तमाम जानकारियां दीं। पिनांग की खूबसूरती की एक झलक हमें रास्ते में ही मिल गई। हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा पिनांग एक द्वीप है जिसका आकार एक तैरते हुए कछुए की तरह है। पिनांग की खूबसूरती से प्रभावित होकर ही ब्रिटिश रचनाकार सॉमरसेट मॉम ने लिखा था, यदि किसी ने पिनांग नहीं देखा, तो उसने संसार नहीं देखा। मुझे भी यहां आकर लगा कि मॉम ने कुछ गलत नहीं लिखा है। पूर्वी देशों के सबसे सुंदर शहरों में गिना जाता है पिनांग, जिसका नाम इस द्वीप पर बहुतायत से पाए जाने वाले सुपारी के पेड़ों के कारण पड़ा। मलय भाषा में पिनांग पान की सुपारी को कहते हैं। पूरब का मोती कहा जाने वाला यह द्वीप 1786 में सुदूर पूर्वी देशों में ब्रिटिश राज्य का पहला व्यापारिक केंद्र बना, पर आज यह पूरब और पश्चिम के मिलन का एक आकर्षक बिंदु है। चूंकि विश्व के लगभग सभी देशों से पर्यटक यहां वर्ष भर आते रहते हैं, अतः यहां की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्त्रोत पर्यटन है। पर्यटन संबंधी सुविधाएं यहां बहुत विकसित हैं और कई अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों का विकास भी काफी अच्छा है।

असर चीनी संस्कृति का

कई वर्षो तक ब्रिटिश शासन के अधीन रहने के कारण यहां की पुरानी इमारतों में ब्रिटिश स्थापत्य की झलक दिखती है। साथ ही चीनी संस्कृति का प्रभाव आज भी यहां के लोगों पर देखा जाता है। लेना व एडी ने चीनियों द्वारा बनाए गए कुआन यिन तेंग, वाट चैया मांगकालाराम तथा अन्य बौद्ध मंदिरों को दिखाते हुए बताया कि पिनांग की राजधानी जॉज टाउन में चीनियों द्वारा बनाए गए ऐसे कई बौद्ध मंदिर हैं, जहां एक विशेष जाति के चीनी लोग विभिन्न त्योहार मनाने के लिए आज भी इकट्ठे होते हैं। इन मंदिरों पर बनी अत्यंत महीन चीनी पेंटिंग व लकड़ी की नक्काशी से सजे पैनल इस देश के कलाकारों की प्रतिभा का परिचय देते हैं। थाईलैंड की स्थापत्य कला से प्रभावित वाट चैया मांगकालाराम मंदिर में भगवान बुद्ध की लेटने की मुद्रा में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी प्रतिमा है।

एक अनुभव अनोखा सा

मीलों तक फैले रेतीले मैदान व नारियल के पेड़ों की कतारों से सजे पिनांग के समुद्र तट विदेशी पर्यटकों को वर्षो से आकर्षित करते आ रहे हैं। दो दिन की पिनांग यात्रा के दौरान लेना व एडी हमें यहां के लगभग सभी दर्शनीय स्थलों पर ले गए, हमने स्थानीय भोजन का स्वाद लिया और बटरवर्थ तथा पिनांग के द्वीप के बीच चलने वाली फेरी में बैठकर द्वीप के चारों ओर फैले नीले पानी की सैर की। इस फेरी में लगभग 100 से अधिक गाड़ियां लोड की जा सकती हैं और 20-25 मिनट में समुद्र के जरिये अपनी गाड़ी में बैठे-बैठे आप पिनांग द्वीप तक आ-जा सकते हैं। यह मेरे लिए एक अनोखा अनुभव था। चीन, ब्रिटेन, थाईलैंड, बर्मा आदि देशों से प्रभावित पिनांग के इतिहास की जानकारी लेते और यहां के शौकीन व बहुत ही मिलनसार लोगों की यादें दिल में लेकर हम पिनांग ब्रिज से होते हुए क्वालालम्पुर की ओर चल दिए। यह ब्रिज पिनांग द्वीप व मलेशिया प्रायद्वीप को जोड़ने वाला विश्व का तीसरा सबसे लंबा ब्रिज है। यहां इस ब्रिज से जाते हुए पिनांग द्वीप की आखिरी झलक हमें मिल रही थी।

ऐतिहासिक इमारतों के शहर में

क्वालालम्पुर जाते हुए हम मलेशिया के एक और राज्य पेराक से गुजरे जिसका मलय भाषा में अर्थ है चांदी। इस राज्य का यह नाम यहां पाई जाने वाली टिन की खानों के कारण पड़ा जिसका पेराक के इतिहास और अर्थव्यवस्था पर काफी गहरा प्रभाव रहा। पेराक की राजधानी ईपोह भी साफ सुथरे पार्क, चैड़ी सड़कों व आकर्षक ऐतिहासिक इमारतों के कारण दर्शनीय है। क्वाला कांगसार पेराक का शाही शहर है और यहां की प्राचीन खूबसूरत इमारतों में उबूदिहाह मसजिद व इस्कंदारियाह महल खास हैं। उबूदियाह मसजिद का निर्माण पेराक के 28वें सुलतान इदरीस मुर्शिदुल अदजाम शाह प्रथम के जमाने में शुरू हुआ पर इसके पूरा होने में काफी अड़चनें आई। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान हाथियों द्वारा यहां के इटैलियन मार्बल के फर्शो को तोड़ दिया गया और इसका उद्घाटन 1917 में हो सका। लगभग 100 वर्ष से भी अधिक पुराना रबर का पेड़ भी क्वाला कांगसार में दर्शनीय है। इसके अलावा पेराक की लाइमस्टोन गुफाएं और उनमें बौद्ध चित्रकला व बुद्ध की विशाल प्रतिमाएं भी देखने लायक हैं। लेटे हुए भगवान बुद्ध की 24 मीटर लंबी प्रतिमा के दर्शन करने हों, जो मलेशिया में सबसे लंबी प्रतिभा है, तो थाई बौद्ध मंदिर मेकप्रसित जाएं। यह ईपोह से तीन किलोमीटर उत्तर की ओर है। परिवार सहित आने वाले पर्यटकों के लिए आधुनिक राइड व झूलों से लैस बुकिट मेराह थीम पार्क भी यहां है, जो 600 हेक्टेयर में फैले लेक टाउन रिसोर्ट का एक हिस्सा है। पेराक टांग, सैम पोह टांग, शाही मसजिद, जैपनीज गार्डन, दारुल रिदजुआन संग्रहालय, ताम्बुन, सुंगकाई हिरण फार्म, क्वाला वोह जंगल पार्क, लता इस्कंदर वाटर फॉल आदि भी परोक के मुख्य दर्शनीय स्थलों में से हैं।

रोशनी के बाग में

क्वालालम्पुर देखने की उत्सुकता ने हमें चैथे दिन मलेशिया की राजधानी पहुंचा दिया। गार्डन सिटी ऑफ लाइट्स कहे जाने वाले अपने शहर को यहां के लोग प्यार से केएल कहते हैं। 88 मंजिलों वाले विश्व के सबसे ऊंचे फ्री स्टैंडिंग टॉवर्स पेट्रोनाज ट्विन टॉवर्स क्वालालम्पुर में प्रवेश करते ही दिखने लगते हैं। इस्लाम के पांच स्तंभों से प्रेरित यह इमारत मलेशिया की पहचान है। रात को ये टॉवर्स इतने खूबसूरत दिखते हैं कि इनकी ओर से आंखें हटाने की इच्छा नहीं होती। क्वालालम्पुर सिटी सेंटर के बीचोंबीच निर्मित पेट्रोनाज टॉवर्स मलय व आधुनिक आर्किटेक्चर का बेमिसाल नमूना है। इसके भीतर पेट्रोनाज फिलहारमोनिक हॉल है तथा पेट्रोनाज परफॉर्मिंग आर्ट्स ग्रुप भी। क्वालालम्पुर में हमने विश्व की चैथी सबसे लंबी (421 मीटर) तथा एशिया की सबसे ऊंची मीनार क्वालालम्पुर भी देखी, जिसके भीतर जाकर ऑब्जर्वेटरी डेक से आप पूरे क्वालालम्पुर तथा क्लैंग वैली का नजारा देख सकते हैं। यहां के रिवॉल्विंग रेस्टोरेंट में कई तरह के स्वादिष्ट भोजन का मजा लेते हुए आप क्वालालम्पुर की एक-एक इमारत, पार्क, संग्रहालय व घर आदि दूरबीन से देख सकते हैं। क्वालालम्पुर टॉवर दूरसंचार नेटवर्क, रेडियो व टीवी स्टेशन की ट्रांसमिशन टॉवर भी है।

टॉरनेडो से 18 की मौत, 42 घायल

टेक्सास । अमेरिका के टेक्सास, ओक्लाहोमा और अरकंसास राज्यों में आए टॉरनेडो के कारण 18 लोगों की मौत हो गई और 42 से ज्यादा घायल हैं। तूफान, ओलावृष्टि और तेज हवाओं के कारण लगभग 10 करोड़ लोग प्रभावित हैं। अमेरिकी मौसम विभाग ने इन तीनों राज्यों में बवंडर और भारी बारिश के साथ ओलावृष्टि होने की चेतावनी जारी की है। टॉरनेडो के कारण कई इमारतें, बिजली, गैस लाइनें और एक ईंधन स्टेशन तबाह हो गए। वाइट हाउस के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन पूरी घटना पर नजर बनाए हुए हैं। मौके पर रेस्क्यू टीम को भेजा गया है। इलिनोइस, केंटकी, मिसौरी और टेनेसी शहरों में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। यहां बेसबॉल के आकार के ओले गिर रहे हैं। इसकी वजह से 40 लाख से ज्यादा लोग डर के साए में जी रहे हैं। इन राज्यों में हवा 136 से 165 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही है।

तेलंगाना की महिला की फ्लोरिडा में सड़क दुर्घटना में मौत

फ्लोरिडा । अमेरिकी विश्वविद्यालय में पढ़ रही तेलंगाना की महिला की फ्लोरिडा में तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से मौत हो गई। यदाद्री भुवनगिरी जिले के 25 वर्षीय छात्र की फ्लोरिडा में एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। गुंटिपल्ली सौम्या, जिन्होंने फ्लोरिडा अटलांटिक यूनिवर्सिटी से मास्टर की पढ़ाई पूरी की थी, 26 मई को सड़क पार करते समय एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी थी।उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सौम्या किराने का सामान खरीदकर अपने आवास पर लौट रही थी। वह दो साल पहले पढ़ाई के लिए अमेरिका गई थी। सौम्या मास्टर डिग्री पूरी करने के बाद वह नौकरी ढूंढने की कोशिश कर रही थी। सौम्या की मौत की खबर मिलते ही उनका परिवार सदमे में आ गया। रिपोर्ट के अनुसार, उसके माता-पिता कोटेश्वर राव और बालमणि ने केंद्र और राज्य सरकारों से उसके शव को भारत वापस लाने की अपील की है। तेलंगाना के मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने सौम्या के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उनके पार्थिव शरीर को वापस लाने के प्रयास हो रहे हैं। इस साल के पहले चार महीनों में अब तक अमेरिका में भारतीय और भारतीय मूल के 11 छात्रों की मौत की खबर आ चुकी है।

इजराइल के खिलाफ पेरिस में बड़ा प्रदर्शन...10 हजार लोगों ने दूतावास को घेरा

पेरिस । राफा शहर में इजरायली हमले के दौरान फिलिस्तीनी शरणार्थियों का एक टेंट भी निशाना बन गया, जिसमें 45 लोगों की मौत हुई। इस घटना को लेकर इजरायल निशाने पर है और फिर से दुनिया भर में उसके खिलाफ प्रदर्शन होने लगे हैं। इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने मामले में गलती मानकर घटना को दुखद बताया है। इस बीच पेरिस में इजरायल के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन हुआ है। पेरिस स्थित इजराइल के दूतावास को प्रदर्शनकारियों ने घेर लिया। करीब 10 हजार लोगों ने उसके दूतावास के बाहर प्रदर्शन किया। इन लोगों के पास में फिलिस्तीनी झंडे थे और ये लोग इजरायल एवं नेतन्याहू के खिलाफ नारेबाजी करते दिखे। इन लोगों ने फी गाजा, हम भी गाजा के बच्चे हैं जैसे नारे लगाए। गाजा पट्टी पर बीते 8 महीनों से इजरायल की ओर से ताबड़तोड़ हमले हो रहे हैं। गाजा के खान यूनिस जैसे शहर इजरायली हमलों में तबाह हो चुके हैं। अब इजरायली सेना ने राफा शहर को अपना निशाना बनाया है। उसका कहना है कि हमास के लड़ाकों ने अब यहीं पर अपने ठिकाने बना लिए हैं। इसके बाद उन्हें नेस्तनाबूद करने के लिए हमले जरूरी हैं। इजरायल के लिए मुश्किल वाली बात यह है कि भले ही उसके साथ अमेरिका और ब्रिटेन पूरी ताकत से खड़े हैं, लेकिन कई यूरोपीय देशों में भी उसके खिलाफ तीव्र विरोध दिख रहा है। जर्मनी, फ्रांस, स्पेन जैसे देशों में उसके लिए मुश्किल खड़ी हो रही है। पेरिस में प्रदर्शन के दौरान ही मैड्रिड और बार्सिलोना में भी आंदोलन हुए। बता दें कि इजरायल में 45 फिलिस्तीनियों के मारे जाने की घटना को इजरायल ने हमला नहीं बल्कि हादसा करार दिया है।

चुनाव को लेकर पूरी तरह आशावादी हूं : ओब्रेडोर

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको के राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर ने कहा है कि उन्हें आशा है कि रविवार के आम चुनाव सुचारू रूप से निपट जाने वाले है। मैक्सिको सिटी के नेशनल पैलेस में ओब्रेडोर ने कहा, मैं बहुत उम्मीद है कि लोग हमेशा की तरह मौके का फायदा उठाते हुए व्यवहार करने वाले हैं। उन्होंने कहा, मैक्सिक के लोग सम्मानजनक, अच्छे, सहभागी लोग हैं। मुझे ऐसा कुछ भी नहीं दिखता, जो चिंता का कारण हो। दिसंबर 2018 में पदभार संभालने वाले श्री ओब्रेडोर ने कहा कि मैक्सिको सबसे अधिक वेतन वृद्धि, कम बेरोजगारी, कम गरीबी और असमानता वाले देशों में से एक है। उन्होंने कहा कि आने वाली चुनावी प्रक्रिया एक चुनाव से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा, यह एक जनमत संग्रह है, जिसमें मैक्सिकोवासी उस दिशा का चयन करेंगे, जिस दिशा में वे देश को ले जाना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि रविवार के आम चुनावों को मैक्सिको के आधुनिक इतिहास में सबसे बड़ा माना जाता है, जिसमें राष्ट्रपति पद, विधायी सीटें, गवर्नर पद और स्थानीय सरकारी पद शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने पापुआ न्यू गिनी को सहायता पैकेज की घोषणा की

कैनबरा । ऑस्ट्रेलिया ने भूस्खलन से प्रभावित पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) के लिए सहायता पैकेज की घोषणा की है। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने कहा कि वह तलाश, बचाव और पुनर्वास प्रयासों में सहायता के लिए पीएनजी को प्रारंभिक सहायता, तकनीकी विशेषज्ञों और आपातकालीन राहत आपूर्ति में 25 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (16 लाख अमेरिकी डॉलर) भेजेगी। देश के राष्ट्रीय आपदा केंद्र के अनुसार, पीएनजी के सुदूर एंगा प्रांत में बड़े पैमाने पर भूस्खलन से 2,000 से अधिक लोग जिंदा दफन हो गए थे। सहायता पैकेज के तहत, ऑस्ट्रेलियाई विशेषज्ञ ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल की मदद से घटना प्रबंधन, भू-खतरे के आकलन और पुनर्वास प्रयासों में सहायता प्रदान करेगा। भूस्खलन क्षेत्र में स्थानीय समुदायों की आवश्यकताओं के मद्देनजर तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए ऑस्ट्रेलिया द्वारा महिलाओं और बच्चों के लिए आश्रय, स्वच्छता किट और विशिष्ट सहायता प्रदान की जाएगी।

गाजा में कुवैती अस्पताल को बंद किया गया

गाजा। गाजा में इजरायली सैन्य अभियान के कारण कुवैती अस्पताल को बंद किया गया है। एक फिलिस्तीनी चिकित्सा अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। यह अस्पताल राफा में अभी भी काम कर रहे दो अस्पतालों में से एक है। अस्पताल के निदेशक सुहैब अल-हम्स ने कहा, हम कुवैत विशेष अस्पताल को बंद करने और आसपास के क्षेत्र में तैयार किए जा रहे फील्ड अस्पताल में मेडिकल स्टाफ को स्थानांतरित करने की घोषणा करते हैं। इजरायली सेना द्वारा राफा में अपने सैन्य अभियान के विस्तार और अस्पताल के परिवेश को बार-बार जानबूझकर निशाना बनाने के कारण यह कदम उठाया जा रहा है। इस बीच, मध्य गाजा पट्टी के दीर अल-बाला में अल-अक्सा अस्पताल ने चेतावनी दी कि इजरायली सेना द्वारा ईंधन आपूर्ति रोकने से अगले चार घंटों के भीतर स्वास्थ्य सेवाएं निलंबित हो सकती हैं। इजराइली सेना रविवार से ईंधन आपूर्ति रोक रही है। बयान में कहा गया है कि अस्पताल 1,200 से अधिक बीमार और घायल लोगों को चिकित्सा देखभाल और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है, जिसमें 600 किडनी फेलियोर मरीज भी शामिल हैं, जिन्हें किडनी डायलिसिस की आवश्यकता होती है। यदि ईंधन की आपूर्ति नहीं की जाती है और बिजली चली जाती है, तब उनका उपचार कुछ घंटों के भीतर टाल दिया जाएगा। बयान में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अगले 10 दिनों तक चिकित्सा कर्मचारियों के काम को सुनिश्चित करने के लिए इजरायल पर 50,000 लीटर ईंधन की आपूर्ति करने के लिए दबाव डालने का आह्वान किया गया है।

चीन में इमारत के ढहने से चार लोगों की मौत

हेफेई । पूर्वी चीन में टोंगलिंग में आवासीय इमारत के आंशिक रूप से ढहने से चार लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हुआ है। अधिकारियों के अनुसार जियाओकू जिले के दातोंग टाउनशिप में स्थित पांच मंजिला इमारत का पश्चिमी हिस्सा दोपहर करीब 1:40 बजे ढह गया। जांच के अनुसार पांच लोगों का पता नहीं चल पाया था। गहन खोज और बचाव अभियान के बाद, सभी पांच लापता व्यक्ति मंगलवार सुबह 1:28 बजे तक मिल गए। जिला सरकार के अनुसार चार की मौत की पुष्टि हो गई, जबकि एक 12 वर्षीय किशोरी का वर्तमान में गहन चिकित्सा उपचार चल रहा है। अधिकारियों ने इमारत के कुछ हिस्सों के गिरने के खतरे को देखते हुए अन्य निवासियों को वहां से हटा दिया है।

बांग्लादेश में तूफान के बाद आई बाढ़ के बची ही क्रेब फार्म से निकलते हुए लोग।

पोर्न स्टार स्टॉर्मी को डर... कहीं ट्रंप राष्ट्रपति बन गए तो फिर क्या होगा

वाशिंगटन । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ यौन संबंधों को लेकर चुप रहने के लिए पैसे देने के मामले में पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स के नए खुलासे ने फिर सनसनी मचा दी है। पोर्न अभिनेत्री का दावा है कि ट्रंप की पोल खोलने के बाद से वह मुश्किल में पड़ गई है। लोगों ने जान से मारने की धमकी देनी शुरू कर दी है। डेनियल्स का कहना है कि इसतरह के कमेंट मिल रहे हैं, जो उसके लिए बहुत मुश्किल भरे हैं। डर है कि कहीं ट्रंप राष्ट्रपति बन जाते हैं, तब उसके लिए स्थिति और खराब हो जाएगी।

डेनियल्स ने कहा, 2018 में मुझे झूठा और गोल्ड डिगर जैसी बातें कहकर चिढ़ाया जाता था। लेकिन इस बार मुझे सीधी धमकी मिली है। मुझे एक ने कहा-मैं तुम्हारा गला काटने के लिए तुम्हारे घर आऊंगा। ट्रम्प पर मुकदमा करीब आ रहा है और लगभग पांच सप्ताह की गवाही के बाद मुझे धमकियां मिल रही हैं।

स्टॉर्मी डेनियल्स का कहना है कि उन्हें डर है कि कहीं ट्रंप राष्ट्रपति न बन जाए। अगर वह चुनाव जीतने में कामयाब हो जाता है, तब वे मुश्किल में पड़ जाएगी। ट्रंप समर्थक रैलियों में लगातार उत्तेजित दिखाई देते हैं। उसे हर वक्त अपनी जान का खतरा लगा रहता है। गौरतलब है कि ट्रंप द्वारा पॉर्न स्टार को धन दिए जाने का यह मामला 2016 का है। उस समय ट्रंप के पॉर्न स्टार के साथ संबंध होने की बातें सामने आई थीं और आरोप है कि उन्होंने इसे छिपाने के लिए स्टॉर्मी को एक लाख 30 हजार डॉलर का भुगतान किया था। पूर्व राष्ट्रपति की कंपनी ने यह धन उनके वकील माइकल कोहेन को दिया था जिन्होंने ट्रंप की ओर से पॉर्न स्टार को इसका भुगतान किया।

तालिबान को आतंकी संगठनों की सूची से हटाएगा रूस

बैन के 21 साल बाद लिया फैसला ; कहा- वे असली ताकत, हम उनसे अलग नहीं

मॉस्को(एजेंसी)। रूस तालिबान को प्रतिबंधित आतंकी संगठनों की लिस्ट से हटाने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि कजाखिस्तान ने हाल ही में तालिबान को लेकर यह फैसला लिया है और हम भी जल्द ही इसे लागू करेंगे। लावरोव ने कहा कि तालिबान असली ताकत है। हम उनसे अलग नहीं हैं। सेंट्रल एशिया में हमारे सहयोगी भी उनसे अलग नहीं हैं। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के 3 साल बाद रूस ने यह फैसला किया है। दरअसल, पिछले साल के अंत में कजाखिस्तान ने तालिबान को बैन किए गए आतंकी संगठनों की लिस्ट से हटा दिया था।

रूस ने भी तालिबान पर तमाम पाबंदियों के बावजूद उससे अपने संबंध बनाए रखे हैं। हालांकि, उन्होंने अब तक तालिबान को अफगानिस्तान की सरकार के तौर पर मान्यता नहीं दी है। रूस ने तालिबान को सेंट पीटर्सबर्ग में होने वाले इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम के लिए भी न्योता दिया है। यह इवेंट 5-8 जून को होगा। रूसी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, अफगानिस्तान ने रूस से तेल खरीदने की भी इच्छा जताई है। पश्तो भाषा में तालिबान का अर्थ छात्र होता है। इस संगठन की स्थापना साल 1994 में अफगानिस्तान के कंधार शहर में हुई थी। यह उन गुटों में से एक था जो सोवियत संघ की वापसी के बाद अफगानिसतान पर कब्जे के लिए गृह युद्ध लड़ रहा था।

तालिबान ने खदेड़ा था सोवियत सेना

इसके सदस्य अफगानिस्तान के मुजाहिद्दीन लड़ाके थे, जिन्होंने 1989 में अमेरिका की मदद से सोवियत सेना को खदेड़ा था। तब दोनों पक्षों के बीच 9 साल तक जंग चली थी। 1विनोद उपाध्याय / 28 मई, 2024 में ह्यस्ट ने एक रिजॉल्यूशन अडॉप्ट किया था। इसमें कहा गया था तालिबान दुनियाभर के आतंकी संगठनों को पनाह देकर उन्हें प्रशिक्षण देने का काम करता है। इसके कुछ महीने बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें ह रिजॉल्यूशन को स्वीकार करते हुए तालिबान पर पाबंदियां लगाने की बात कही गई थी। इसके बाद साल 2003 में रूस की सुप्रीम कोर्ट तालिबान को आतंकी संगठन घोषित कर दिया था। रूस ने कहा था कि रूस के चेचन्या में तालिबान के अवैध संगठनों के साथ संबंध हैं। वह उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान और किर्गिस्तान पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। इसके बाद साल 2017 में रूस ने अफगानिस्तान की तत्कालीन सरकार और तालिबान के बीच समझौता कराने की कोशिश की थी, जिससे अफगानिस्तान में शांति आ सके।

तालिबान ने 2021 में अफगानिस्तान पर कब्जा किया

इस कोशिश में चीन, ईरान, पाकिस्तान समेत कई देशों ने रूस का साथ दिया था। लंबे समय तक चली बातचीत के बाद भी अफगान सरकार और तालिबान के बीच सहमति नहीं बन पाई थी। अमेरिकी सेना के साथ लंबे संघर्ष के बाद तालिबान ने 15 अगस्त 2021 को काबुल के साथ ही पूरे अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद से वो लगातार दुनिया से उसे मान्यता देने की मांग करता रहा है। तालिबान के कार्यकारी रक्षा मंत्री मुल्लाह मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने अल-अरेबिया न्यूज चैनल को एक इंटरव्यू दिया था। इस दौरान उन्होंने कहा था- सरकार ने मान्यता हासिल करने के लिए सारी जरूरतों को पूरा किया है। इसके बावजूद अमेरिका के दबाव में आकर दूसरे देश हमें मान्यता नहीं दे रहे हैं। हम उन देशों से मान्यता की अपील करते हैं जो अमेरिका के दबाव में नहीं हैं। हम चाहते हैं कि दुनिया के ताकतवर इस्लामिक देश हमें सरकार के तौर पर पहचानें।

यरूशलम को आजाद कराने के लिए जिहाद ही एकमात्र रास्ता : तालिबान

काबुल (एजेंसी)। इजरायल और हमास जंग के बीच अब तालिबान ने जिहाद शुरू करने की अपील की है। तालिबान के स्कॉलर शेख अब्दुल सामी ने कहा कि यरूशलम को आजाद कराने के लिए जिहाद ही एकमात्र रास्ता है। सामी ने यरुशलम में यहूदियों की उपस्थिति को मंजूरी देने वाले किसी भी शांति समझौते को मानने से इंकार किया। उन्होंने यरूशलम को आजाद कराने के लिए फिर से दुनिया भर के मुसलमानों को एक खिलाफत के झंडे के नीचे आने की अपील की।

सामी ने कहा कि जैसे कभी उमय्यद, अब्बासी और उस्मानिया सल्तनत के खलीफा होते थे, इस तरह से आज भी एक नेतृत्व की स्थापना ही यरुशलम को आजाद कराने और मुसलमानों को सशक्त बनाने का एकमात्र तरीका है। तालिबान ने यरुशलम को लेकर पहली बार बयान नहीं दिया है। खुद को अफगानिस्तानी अमीरात बताने वाला तालिबान लंबे समय से यरुशलम को यहूदियों के कब्जे से आजाद करने का समर्थक रहा है। बीते साल इजरायल पर हमास के आतंकी हमले के बाद अक्टूबर में तालिबान ने यरुशलम की तर्ज पर काबुल में भी अल-अक्सा मस्जिद का निर्माण कराया था। इस मस्जिद का निर्माण तालिबान की अंतरिम सरकार के आंतरिक मंत्रालय के निर्देश पर किया गया है। हालांकि, इसकी स्थापना के लिए तुर्की के एक संगठन ने धन मुहैया कराया था। काबुल में बनी अल-अक्सा मस्जिद को बनाने में 1.20 लाख डॉलर की लागत आई थी। इसके उद्घाटन के मौके पर तालिबान के सदस्यों ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि यह मस्जिद अल-अक्सा मस्जिद की आजादी के लिए रास्ता खोलेगी। तालिबान के कार्यवाहक आंतरिक मंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी ने मस्जिद के उद्घाटन समारोह में कहा था कि यह मस्जिद फिलिस्तीन और अल-अक्सा के प्रति मुसलमानों, विशेष रूप से अफगानों के असीम प्रेम को दर्शाती है।

चीन आने पर फोन जांच वाले दावे को चीन के किया खारिज, बताया बिल्कुल बेतुका

इस्लामाबाद(एजेंसी)। एक खबर ने देश-दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया जब कहा गया कि 1 जुलाई से चीन में आने वाले सभी लोगों को मोबाइल जांच का सामना करना पड़ेगा। हालांकि तुरंत ही बीजिंग की तरफ से इसे गलत बताते हुए 'चीन-विरोधी' ताकतों द्वारा की गई सच्चाई को तोड़-मरोड़कर पेश किए जाने की बात कहकर खारिज कर दिया गया है। 26 अप्रैल को राज्य सुरक्षा मंत्रालय ने दस्तावेज जारी किए जिसमें कहा गया कि कानून प्रवर्तन नियमों की पहुंच को व्यापक बनाया गया और इससे राष्ट्रीय सुरक्षा को जोखिम में डालने वाली अवैध गतिविधियों से निपटने में मदद मिली।

मंत्रालय ने अपने सार्वजनिक वीचैट अकाउंट पर एक बयान में कहा कि कुछ शत्रुतापूर्ण विदेशी चीन विरोधी ताकतों ने निंदनीय और झूठे आरोप लगाकर सच्चाई को विकृत करने का अवसर प्राप्त कर लिया है। जांच वाले दावे को 'बिल्कुल बेतुका' कहकर खारिज कर दिया कि प्रवेश पर सभी आगमनकर्ताओं को फोन जांच से गुजरना होगा। नए राष्ट्रीय सुरक्षा नियम ने व्यापक जनता का ध्यान आकर्षित किया और सकारात्मक प्रतिक्रिया दी, इसमें कहा गया है कि नया संशोधित प्रति-जासूसी कानून इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और सुविधाओं के वैध निरीक्षण पर विशिष्ट नियम निर्धारित करता है।

मंत्रालय ने कहा कि इस तरह के निरीक्षण का लक्ष्य जासूसी कार्य से संबंधित व्यक्ति या संगठन होना चाहिए, जैसे संदिग्ध जासूस जो सैन्य प्रतिबंधित क्षेत्रों या वर्गीकृत इकाइयों में तस्वीरें या वीडियो लेते हैं। यह घटना तब हुई है जब चीनी सांसदों ने इस साल 2010 के बाद पहली बार राज्य रहस्य कानून का विस्तार किया, जिसमें प्रतिबंधित संवेदनशील जानकारी के दायरे को बढ़ाकर कार्य रहस्य के रूप में वर्णित जानकारी को शामिल किया गया।

मेक्सिको को मिल सकती है पहली महिला राष्ट्रपति ! ऐतिहासिक चुनावों से जुड़ी जानकारी यहां जानें

(एजेंसी)। मेक्सिको में 2 जून को लोकप्रिय राष्ट्रपति आंद्रेस मैनुअल लोपेज़ ओब्रेडोर (एएमएलओ) के उत्तराधिकारी का चुनाव करने के लिए मतदान होगा, जिन्हें संविधान द्वारा दूसरे छह साल का कार्यकाल पूरा करने से प्रतिबंधित किया गया है। मैक्सिको में चुनाव के दौरान जब प्रचार अभियान चला रहे थे तब उनके जोशीले भाषणों को सुनने के लिए भारी भीड़ जुट रही थी। 2018 में जब चुनाव के नतीजे आए तो पहले दो बार राष्ट्रपति चुनाव में हार का सामना करने वाले ओब्रेडोर ने 53.8 प्रतिशत वोट हासिल करके चुनाव जीता। 69 साल के ओब्रेडोर की लोकप्रियता इतनी रही थी उस वक्त की उनके निकटतम प्रतिद्वंदी अनाया को केवल 22.8 प्रतिशत वोट मिले थे।

मोरेना पार्टी की तरफ से शीनबाम

61 वर्षीय शीनबाम का चुनाव सत्तारूढ़ मोरेना पार्टी के सदस्यों के बीच पिछले साल किए गए कई सर्वेक्षणों के बाद लिया गया। शीनबाम राष्ट्रपति लोपेज़ ओब्रेडोर के करीबी सहयोगी हैं और वो लोकप्रिय नेता लोपेज़ ओब्रेडोर की निरंतरता को बनने का वादा कर रही हैं। उन्हें उनकी सत्तारूढ़ मुरैना पार्टी का समर्थन प्राप्त है। शीनबाम ने लोपेज़ ओब्रेडोर के साथ अपने अच्छे संबंधों का जिक्र करते हुए अपनी खुद की छवि को गढ़ने में लगी हैं।

विपक्ष की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार गैल्वेज़

विपक्षी गठबंधन ने महिला सांसद जोचिटल गैल्वेज़ को अपना उम्मीदवार चुना है। विपक्षी सीनेटर

गैल्वेज़ एक टेक उद्यमी हैं। लोपेज़ ओब्रेडोर के हालिया विरोध के अलावा ऐतिहासिक रूप से उन्हें एकजुट करने के लिए बहुत कम प्रयास थे। गैल्वेज़ निवर्तमान राष्ट्रपति की कटु आलोचक हैं। उनकी हालिया तीखी नोकझोंक काफी चर्चा में भी रही। एक गरीब ग्रामीण कस्बे में पली-बढ़ी ज़ोचिटल गैल्वेज़ ने अपने परिवार की मदद के लिए घर पर बनी कैंडी बेची। अब वह एक सफल उद्यमी हैं और मेक्सिको की पहली महिला राष्ट्रपति बनने की उम्मीद कर रही हैं। गैल्वेज़, जो एक स्वदेशी ओटोमी पिता और मिश्रित नस्ल की मां की संतान थीं, अपने मूल के बारे में गर्व के साथ बात करती हैं। 2015 और 2018 के बीच, गैल्वेज़ कांग्रेस के ऊपरी सदन में सीट जीतने से पहले, मैक्सिको सिटी के एक जिले की मेयर थी।

चुनाव में राष्ट्रपति लोपेज़ ओब्रेडोर की भूमिका

तीसरे उम्मीदवार अल्पज्ञात जॉर्ज अल्वारेज़ मेनेज़ हैं, जो सिटीज़न मूवमेंट पार्टी के पूर्व संघीय कांग्रेसी हैं। उन्होंने युवा वोट हासिल करने की कोशिश पर ध्यान केंद्रित किया है, लेकिन उन्हें ज्यादा समर्थन नहीं मिला है। 2018 में चुने गए लोपेज़ ओब्रेडोर ने श्रमिक वर्ग और ग्रामीण मतदाताओं जैसे आबादी के बड़े हिस्से को साधा है। लोपेज़ ओब्रेडोर को शीनबाम का गुरु माना जाता है और अगर वह चुनी जाती हैं, तो यह उनकी विरासत को मजबूत करेगी और दिखाएगी कि उनकी मुरैना पार्टी उनके राष्ट्रपति पद से परे भी सत्ता में बने रह सकती है।

पाकिस्तान का परमाणु परीक्षण करना इतिहास की सबसे बड़ी गलती: नजर

-1999 में कारगिल जंग सबसे बड़ी आपदा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने 28 मई को आज ही के दिन 1998 में परमाणु परीक्षण करके दुनिया के परमाणु शक्ति संपन्न देशों की सूची में शामिल हो गया था। पाकिस्तान का पूरा परमाणु प्रोग्राम भारत की बराबरी करने के लिए शुरू हुआ था। इसकी गवाही पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो के बयान से होती है, जिन्हें पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम का जनक कहा जाता है। उन्होंने विदेश मंत्री रहते हुए 1965 में कहा था कि, अगर भारत परमाणु बम बनाता है, तब चाहे पाकिस्तान को घास या पत्तियां खानी पड़े, चाहे भूखा रहना पड़े लेकिन हम परमाणु बम हासिल करके दम लेने वाले है। इसके तीन दशक बाद पाकिस्तान परमाणु शक्ति बन गया लेकिन उसका नाम तब से परमाणु हथियार रखने वाले सबसे गरीब देश के रूप में हो गया है। अब पाकिस्तान के विद्वानों का मानना है कि पाकिस्तान ने परमाणु परीक्षण करके अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार ली थी।

पाकिस्तानी अर्थशास्त्री यूसुफ नजर ने पाकिस्तान के परमाणु परीक्षण को बड़ी गलती बताया है। उन्होंने लिखा, 1998 में परमाणु परीक्षण की कोई जरूरत नहीं थी। वहां परीक्षण जनता को खुश करने के लिए की गई एक प्रतिक्रिया थी, जो भारत के परमाणु परीक्षण के मात्र 17 दिन बाद किया गया था। फरवरी 1997 में नवाज शरीफ के सत्ता में आने से बहुत पहले ही पाकिस्तान ने यह क्षमता विकसित कर ली थी। नजर ने दावा किया कि परीक्षणों ने लाभ की जगह पाकिस्तान को नुकसान पहुंचा। इसके चलते प्रतिबंधों की मार झेलनी पड़ी और पाकिस्तान के अंदर निवेश में बड़ी गिरावट आई। उन्होंने दावा किया कि 2001 में 9/11 पर हमले के बाद बड़े पैमाने पर आई अमेरिकी मदद के बावजूद यह कभी पहले के स्तर पर नहीं पहुंच सका। 2002 से 2007 तक अमेरिकी मदद के रूप में कुल 12 अरब अमेरिकी डॉलर पाकिस्तान को मिले थे।लेकिन इसके बाद देश कमजोर ही रहा।

नजर ने इसके बाद 1999 में कारगिल में पाकिस्तानी सैनिकों को भेजकर भारत के साथ युद्ध छेड़ने को एक और बड़ी आपदा बताया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का दुर्भाग्य था कि उस पर इसतरह के अक्षम और बौने लोगों को शासन था, जिनके पास कोई दूरदर्शिता या बुद्धि नहीं थी। 1998 में शरीफ के पास दो तिहाई बहुमत था, जबकि मुशर्रफ एक सैन्य तानाशाह थे। इसके साथ ही उन्होंने पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जाहिर की थी। नजर ने कहा कि आज के समय में यह कोई अकल्पनीय चीज नहीं कि परिष्कृत तकनीक का इस्तेमाल करके लोग दूर से किसी सिस्टम को हैक या सक्षम कर सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

छठा चरण गिने बगैर 300 से 310 सीट जीतने के दावे में कितना है दम

नई दिल्ली।

लोकसभा चुनाव का सातवां और अंतिम चरण बचा हुआ है। एक जून को इस चुनाव का आखिरी मतदान होगा। इससे पहले किसको कितनी सीटे मिलेंगी पर दावेदरी शुरु हो गई है। बीजेपी शुरुआत से ही 400 पार का दावा कर रही है। वहीं दूसरी और विपक्षी गठबंधन के नेता कह रहे हैं कि 4 जून को बीजेपी के दिन पूरे होंगे और उनकी सरकार बनेगी। इस बीच गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि पहले पांच चरणों में ही उन्हें सरकार बनाने के लिए बहुमत मिल चुका है। उन्होंने बेरोजगारी, मणिपुर हिंसा से लेकर कश्मीर मुद्दे पर अपनी बात रखी। गृहमंत्री ने दावा किया बीजेपी को इस बार भी स्पष्ट बहुमत मिल रहा है और वे एक मजबूत सरकार बनाने जा रहे हैं।

एक इंटरव्यू में गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, सरकार बनाने के लिए हमारे पास पहले पांच चरणों में ही बहुमत का आंकड़ा मिल चुका है। उन्होंने कहा, हम 300 से 310 के बीच में हैं। इसमें छठा चरण शामिल नहीं है। इस बार हम 10 साल के ट्रैक रिकॉर्ड और 25 साल के शक्तिशाली सकारात्मक एजेंडे के साथ लोगों के बीच गए थे। जब उनसे पूछा गया कि 2024 में अमित शाह का अभियान 2019 के अभियान से किस तरह अलग है? तो उन्होंने कहा, मैंने पूरे भारत की यात्रा की है। लद्दाख को छोड़कर, मैं हर राज्य, हर केंद्र शासित प्रदेश में गया हूं। 2019 में, लोगों में यह भावना थी कि देश को एक निर्णायक सरकार, एक निर्णायक नेता और यह तथ्य कि मोदी जो कर रहे हैं वह अच्छा है - इन तीनों से लाभ हुआ है। 2024 में, यह भावना है कि भारत को एक महान राष्ट्र बनाने की दिशा में यही रास्ता है। एक आत्मविश्वास ने जोर पकड़ा है। किसी भी राष्ट्र के लिए, उसके लोगों का सामूहिक आत्म-विश्वास राष्ट्र के विकास का कारण होता है। 130 करोड़ लोगों का सामूहिक संकल्प भी होता है। पीएम मोदी ने अमृत महोत्सव के रूप में इसे तैयार करके दोनों को जगाया है। अगले 30 वर्षों में बड़े होने वाले सभी बच्चों में यह दृढ़ संकल्प और विश्वास है कि भारत यह कर सकता है। मुझे लगता है कि यह देश के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। आप जनादेश की व्याख्या करने के लिए अनगिनत कारण ढूंढेंगे लेकिन सबसे महत्वपूर्ण कारण लोगों का यह विश्वास होगा कि देश जिस रास्ते पर चल रहा है, वह सही है।

चुनाव के नतीजों को लेकर चल रही अनिश्चितता को लेकर अमित शाह ने कहा, मुझे लगता है कि मीडिया का एक बड़ा वर्ग अभी भी हमें (भाजपा को) उस इकोसिस्टम को स्वीकार नहीं करता जिसका आप भी हिस्सा हैं। विचारधारा के बिना कोई राजनीतिक नेता नहीं होना चाहिए और विचारधारा के साथ कोई पत्रकार नहीं होना चाहिए। ठीक इसके उलट हुआ है। पत्रकार विचारधारा वाले होते हैं और नेता विचारधारा के बिना होते हैं। जब उनसे पूछा गया कि आज कौन सी पार्टी या नेता बिना विचारधारा के हैं? तो उन्होंने कहा यह मीडिया का काम है, पता लगाएं, उनसे उनकी विचारधारा के बारे में पूछें। हमारी विचारधारा सबके सामने है। ये (कांग्रेस) वही लोग हैं जिन्होंने सालों तक स्थिर सरकार चलाई और अब मिलि-जुलि सरकार की बात कर रहे हैं। क्या स्थिर सरकार संविधान में अनिवार्य नहीं है?

गर्मी और लू से बचें........हीट स्ट्रोक हो सकता हैं जानलेवा

नई दिल्ली ।

बीते कई दिनों से देश में भीषण गर्मी और लू की चपेट में हैं। राजस्थान में कई जगहों पर पारा 50 डिग्री तक पहुंच गया है। वहीं दिल्ली सहित यूपी-बिहार के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान 46 डिग्री को पार कर चुका है। इसके बाद डॉक्टरों का भी कहना है कि लू लगने से ब्रेन स्ट्रोक का खतरा हो सकता है। इसके बाद जरुरी नहीं हो तब धूप और गरमी में बाहर जाने से बचना चाहिए और पानी पीते रहना जरूरी है।

रिपोर्ट में बताया गया कि ज्यादा गर्मी और पानी की कमी होने से खून गाढ़ा हो जाता है। इसकारण रक्त का संचार ठीक से नहीं हो पाता और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने बताया कि राजधानी दिल्ली के पीएसआरआई अस्पताल में बीते सप्ताह इस तरह के तीन मामले आए थे। उन्होंने कहा कि ज्यादा गरमी की वजह से जान जाने का भी खतरा है।

स्वास्थ्य एक्सपर्ट ने बताया कि हीट स्ट्रोक में हाथ ढीले हो जाता हैं। जुबान लड़खड़ाने लगती है। इसके अलावा पानी की कमी होने की वजह से मुंह सूखने लगता है। मरीज को पेशाब कम या फिर नहीं होती है। डॉक्टर ने बताया कि तीन में से दो मरीजों को डिसचार्ज कर दिया गया है वहीं एक अभी

ऐडमिट है। डॉक्टर ने बताया कि शरीर का तापमान जब 104 डिग्री फॉरेनहाइट से ज्यादा हो जाता है, तब हीटस्ट्रोक का खतरा रहता है। इसके बाद नर्वस सिस्टम भी कमजोर हो जाता है।

डॉक्टर ने बताया कि हीटस्ट्रोक के बाद मरीज खाने पीने में असमर्थ हो जाता है। इस वजह से डिहाइड्रेशन बढ़ने से उसकी जान भी जा सकती है। इस परिस्थिति में तत्काल अस्पताल में भर्ती कराना चाहिए।

एम्स दिल्ली में न्यूरॉलजी डिपार्टमेंट की हेड डॉ. मंजरी त्रिपाठी ने कहा कि हीट स्ट्रोक की वजह से ब्रेन स्ट्रोक का भी खतरा बन जाता है। पानी की कमी होने की वजह से खून दिमाग तक नहीं पहुंच पाता है। खून थक्का बनकर नसों में ही जम जाता है। रक्त का संचार बाधित होता है और हैमरेज भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि उन लोगों को खतरा ज्यादा होता है जो पहले से ही हाइपरटेंशन, डायबिटीज से ग्रसित होते हैं। इसके अलावा स्मोकिंग करने वालों, या शराब पीने वालों को भी खतरा ज्यादा होता है।

सीएम योगी के गढ़ में बीजेपी को चुनौती दे रही काजल निषाद

-मौजूदा सांसद रवि किशन को दे रही टक्कर, पार्टी चिंतित

लखनऊ।

गोरखपुर जो योगी आदित्यनाथ का गढ़ है। वह गोरखनाथ मठ के प्रमुख भी हैं, जिसका पूर्वी यूपी क्षेत्र में अच्छा प्रभाव भी है। यूपी के दो बार सीएम रहे योगी आदित्यनाथ इस क्षेत्र से पांच बार सांसद रहे चुके हैं। गोरखपुर सीट पर 1 जून को लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण का मतदान होना है। बीजेपी ने मौजूदा सांसद रवि किशन शुक्ला को फिर से मैदान में उतारा है जहां उनका मुकाबला समाजवादी पार्टी की काजल निषाद के साथ हैं। काजल भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री भी हैं, जो इंडिया ब्लॉक की संयुक्त उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रही हैं। गोरखपुर की इस सीट पर लड़ाई योगी बाबा और इंडिया गठबंधन के बीच है, क्योंकि योगी यहां लोकप्रिय हैं। गोरखपुर में एक बड़ा वर्ग योगी के नाम पर बीजेपी का समर्थन कर रहा है। वहीं एक अन्य वर्ग इंडिया ब्लॉक की जीत के लिए सपा उम्मीदवार कागज निषाद के पीछे रैली कर रहा है। दोनों पक्ष जाति के आधार पर भी बंटे हुए नजर आ रहे हैं सिवाय निषाद समुदाय को छोड़कर, जिसका गोरखपुर पर प्रभुत्व है क्योंकि यहां निषाद आबादी का करीब एक-चौथाई हिस्सा है।

2018 के उपचुनाव में निषाद मतदाताओं ने उलटफेर करने में अहम भूमिका निभाई थी, जब सपा उम्मीदवार प्रवीण निषाद ने बीजेपी के उपेंद्र शुक्ला को मात दी थी। उपचुनाव की जरुरत थी क्योंकि तत्कालीन सांसद योगी आदित्यनाथ ने 2017 में सीएम के रूप में शपथ लेने के बाद सीट खाली कर दी थी। योगी के आध्यात्मिक गुरु महंत अवैद्यनाथ 1989 से हिंदू महासभा के साथ-साथ बीजेपी के टिकट पर तीन बार गोरखपुर से जीते थे। योगी ने 1998 से पांच बार यह सीट जीती थी। बीजेपी खेमे में चिंता है कि काजल निषाद को बड़े पैमाने पर निषाद समुदाय का समर्थन मिल रहा है, भले ही वह 2012 और 2022 में कांग्रेस और सपा के टिकट पर कैंपियरगंज से विधानसभा चुनाव हार गई थीं, और वहीं 2023 में सपा उम्मीदवार के रूप में गोरखपुर मेयर का चुनाव भी हार गई थीं।

अनुमान के मुताबिक गोरखपुर निर्वाचन क्षेत्र के 21 लाख मतदाताओं में 5.50 लाख निषाद, 2.25 लाख यादव, 2 लाख मुस्लिम, 2 लाख दलित, 3 लाख ब्राह्मण और ठाकुर और एक लाख भूमिहार और बनिया हैं।

पुणे हिट एंड रन केस: पुलिस ने रिश्वत के 3 लाख रुपये बरामद किए

पुणे ।

पुणे में नाबालिग आरोपी के ब्लड सैंपल बदलने के आरोप में तीन गिरफ्तारियां हुई हैं। अब खबर है कि पुणे पुलिस ने जांच के दौरान 3 लाख रुपये भी बरामद किए हैं, जो कथित तौर पर नमूने बदलने के लिए दिए गए थे। फिलहाल, दोनों डॉक्टरों को 30 मई तक पुलिस हिरासत में भेजा गया है। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ए.ए. पांडे की अदालत ने अस्पताल के दो चिकित्सक और एक कर्मचारी को 30 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया था, हालांकि अभियोजन पक्ष ने दस दिन की हिरासत की मांग की थी। अभियोजन पक्ष ने कहा कि नाबालिग के पिता ने दोनों चिकित्सक में से एक से नमूने बदलने के लिए कहा था, पुलिस इस बात का पता लगाना चाह रही है कि नमूनों में हेरफेर करने के निर्देश किसने दिए थे। घाटकाम्बले के तौर पर की गई है जो डॉ. तावड़े के अधीन काम करता है। लोक अभियोजक ने अदालत को बताया कि किशोर के पिता (विशाल अग्रवाल) ने डॉ. तवाड़े को बुलाया था और उन्हें नमूने बदलने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा, पुलिस इस बात का पता लगाना चाह रही है कि विशाल अग्रवाल के अलावा किसके निर्देश पर रक्त के नमूने बदले गए थे। महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल की तरफ से भी दोनों डॉक्टरों को नोटिस जारी किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अगर काउंसिल दोनों डॉक्टरों को दोषी पाती है, तब उनका मेडिकल लाइसेंस सस्पेंड किया जा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि डॉक्टरों को जवाब देने के लिए 7 दिनों का समय दिया गया है। अभियोजक ने कहा कि जांच से पता चला कि रक्त के नमूने बदलने के लिए रिश्वत के रूप में कुछ वित्तीय लेनदेन हुआ है। उन्होंने बताया कि पुलिस आरोपियों के घर की तलाशी भी लेना चाहती है। पुलिस यह पता लगाने के लिए कि आरोपी चिकित्सकों से कौन मिलने आया था, इसके लिए ससून अस्पताल के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और उसके डीवीआर बरामद कर रही है।

पीएम मोदी ने केजरीवाल को दी सलाह बोले- बेहतर होता यदि संविधान पढ़ लेते

नई दिल्ली।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साध रहे हैं। कभी कहते है कि ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग हो रहा है तो कभी कहते हैं कि पीएम मोदी तय करते हैं कि कौन जेल जाएगा कौन नहीं जाएगा। ऐसे तमाम आरोपों के जवाब देते हुए पीएम मोदी ने नसीहत देते हुए कहा है कि बेहतर होता यदि वे संविधान पढ़ लेते। जेल से बाहर आने के बाद अरविंद केजरीवाल ने पीएम मोदी पर गंभीर आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री जी तय करते हैं कि कौन जेल जाएगा। अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि पीएम के इशारे पर हेमंत सोरेन और मुझे झेल में डाल दिया गया। अरविंद केजरीवाल के इस आरोप पर अब पीएम मोदी ने जवाब दे दिया है। पीएम मोदी ने इंटरव्यू में कहा कि अच्छा होगा कि ये लोग संविधान पढ़ लें, देश के कानून नियम पढ़ लें मुझे कुछ कहने की जरूरत नहीं।

इसके साथ ही पीएम मोदी ने केंद्रीय जांच एजेंसियों (ईडी, इनकम टैक्स) का इस्तेमाल करके विपक्षी नेताओं को दबाने की कोशिश के आरोपों का भी जवाब दिया। पीएम मोदी ने कहा कि मेरा मीडिया से सवाल है कि विपक्ष ने आपको कूड़ा पकड़ा दिया है और आप उसे लेकर हमारे पास पहुंच जाते हैं।

मीडिया वाले रिसर्च करें कि सरकार, प्रधानमंत्री से क्या सवाल पूछना चाहिए। जो कूड़ा कचरा फेंक रहा है उनसे पूछिए ना कि जो आप कह रहे हैं उसका कोई सबूत है क्या? यह ठीक है कि मैं कूड़े कचरे को रिसाइकल करके उसको खाद में बदल दूंगा और देश के लिए कुछ अच्छी चीजें पैदा कर दूंगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओडिशा की सरकार बदलने से लेकर कश्मीर में हुए बंपर वोटिंग का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि वोट बैंक की राजनीति के लिए अब टीएमसी न्यायपालिका का भी दुरुपयोग कर रही है और यह स्थिति किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकती। बता दें कि बंगाल में छह चरणों के बाद 33 सीटों पर मतदान हो गया है, अब अंतिम चरण में 9 सीटों पर वोटिंग होनी है। वहीं पीएम मोदी ने दावा किया कि इस बार ओडिशा में सरकार बदलेगी।

दिल्ली मेट्रो में आग लगने का वीडियो वायरल .....डीएमआरसी का आया बयान

-पैंटोग्राफ फ्लैशिंग में उड़ी चिंगारी

नई दिल्ली ।

देश में भीषण गर्मी के बीच अलग-अलग हिस्सों से बड़ी संख्या में आग के मामले आ रहे हैं। गुजरात हो या दिल्ली के विवेक विहार में आग की घटना। दोनों घटनाओं ने देश को हिलाकर रख दिया है। इस बीच दिल्ली मेट्रो में भी आग लगने की घटना सामने आई है। दिल्ली मेट्रो का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें आग की लपटें दिखाई दे रही हैं। वीडियो राजीव चौक मेट्रों स्टेशन का है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) की तरफ से मामले में बयान दिया गया है। डीएमआरसी के प्रिंसिपल एग्जक्यूटिव डायरेक्टर अनुज दयाल ने कहा कि एक वायरल वीडियो में ट्रेन की छत से हल्की आग निकलती दिखाई दे रही है। यह घटना राजीव चौक मेट्रो स्टेशन पर हुई। ट्रेन वैशाली की ओर जा रही थी और शाम 6.21 बजे ट्रेन के ऊपर लपटें निकलने लगीं। इस घटना को पैंटोग्राफ फ्लैशिंग कहते हैं। इलेक्ट्रिक इंजन के ऊपर लगे यंत्र को पैंटोग्राफ कहते हैं, जिसका काम इंजन तक बिजली पहुंचाना होता है। ओएचई (पटरी के ऊपर लगे बिजली के तार) और पैंटोग्राफ (तार से इंजन तक बिजली पहुंचाने वाला यंत्र) के बीच जब कोई बाहरी चीज फंस जाती है, तब ऐसा होता है। हालांकि, इससे यात्रियों को किसी

भी तरह का खतरा नहीं होता है। उन्होंने कहा कि घटना की मूल वजह क्या थी। (बाहरी सामान क्या था और कैसे वहां पर फंसा) इसकी जांच होगी। जिस पैंटोग्राफ में आग लगी थी, उस तुरंत अलग कर दिया गया और 5 मिनट के देरी के बाद ट्रेन अन्य पैंटोग्राफ के साथ वैशाली के लिए रवाना हो गई। ट्रेन में मौजूद अन्य पैंटोग्राफ इसके संचालन के लिए पर्याप्त थे। इस मामले में किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

सुनवाई के दौरान गुस्साए विचाराधीन कैदी ने मजिस्ट्रेट पर चप्पल उठाकर फेंकी

भीलवाड़ा । जिला एवं सेशन न्यायालय के एसीजेएम कोर्ट में तब अफरा तफरी मच गई। जब अचानक एक विचाराधीन कैदी ने मजिस्ट्रेट पर चप्पल उठाकर फेंकी दी। घटना के बाद आरोपी को वकीलों और पहरी पकड़कर बाहर लेकर आए। इसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, भीलवाड़ा एसीजेएम कोर्ट में चोरी के मामले में विचाराधीन कैदी इस्माईल खान को लाया गया था। यहां आरोपी को मजिस्ट्रेट रुपिंदर सिंह के समक्ष पेश किया गया। तभी किसी बात को लेकर आरोपी आक्रोशित हो गया। बताया जा रहा है कि कोर्ट में आरोपी ने जज से कहा कि वे आज ही फैसला सुनाए। इसके बाद आरोपी ने चप्पल उठाकर मजिस्ट्रेट के सामने उछाल दी। अचानक हुई हरकत से सभी सकते में आ गए। इसके बाद कोर्ट में स्थिति सामान्य हो पाई। पुलिस ने बताया कि आरोपी पिछले दो साल से जेल में बंद है। बताया जा रहा है कि आरोपी ईस्माइल ने कहा कि एक चोरी के मामले में 3 साल से जेल में बंद था। कोर्ट में मामला विचारधीन है। जमानत के लिए 5 बार याचिका दी थी लेकिन हर बार सुनवाई के दौरान मुझे कहा जाता था कि 7 साल की सजा दी जाएगी। जज साहब कोई फैसला नहीं सुन रहे थे, इसकारण आहत होकर मैंने चप्पल फेंक दी।

मिजोरम में पत्थर की खदान ढहने से दस की मौत

- कई मजदूर मलबे में दबे, राहत व बचाव कार्य जारी

आइजोल। मिजोरम में कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश से आइजोल के बाहरी इलाके में एक पत्थर की खदान ढह गई, जिसमें दबने से दस लोगों की मौत हो गई। खदान के मलबे में कई मजदूरों के दबे होने की खबर है जिन्हें बचाने का कार्य जारी है। डीजीपी ने बताया कि मिजोरम में लगातार बारिश से नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है और नदी किनारे पर रहने वाले लोगों को वहां से शिफ्ट कर दिया गया है। खदान ढहने की दुर्घटना के बाद तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरु कर दिया गया। एनडीआरएफ की टीमों को भी मौके पर बुलाया गया ताकि मलबे में फंसे लोगों को जल्द से जल्द बाहर निकाला जा सके। इस घटना ने खदानों में सुरक्षा मानकों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बारिश के मौसम में खदानों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। मजदूरों की सुरक्षा के लिए कठोर कदम उठाने की जरूरत है ताकि भविष्य में दोबारा ऐसी घटनाएं न हों।

हेल्थ इंश्योरेंस के दावों को निपटने के लिए एआई का टूल तैयार

छिपी शर्तों को भी बतायेगा,एआई टूल

नई दिल्ली । राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा एक नया एआई टूल तैयार किया जा रहा है। इस टूल को राष्ट्रीय स्वास्थ्य दावा के पोर्टल से जोड़ा जाएगा। इस टूल के माध्यम से, बीमा पॉलिसी और उसकी शर्तों के बारे में भी जान सकेगा। छिपी हुई शर्तों की भी जानकारी यह टूल देगा। इसके माध्यम से हेल्थ इंश्योरेंस के दावे जो बीमा कंपनी को किए जाएंगे। एक घंटे के अंदर उनका निपटारा संभव होगा। हेल्थ बीमा पॉलिसी में कई शर्त और नियम छिपे हुए होते हैं। जिसके कारण क्लेम मिलने में बहुत ज्यादा समय लगता है। जो क्लेम मिलना चाहिए था, वह नहीं मिल पाता है। इसमें सुधार लाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने एआई टूल तैयार किया है। इस टूल के माध्यम से पॉलिसी होल्डर को भरती के समय, अस्पताल के रूम चार्ज, ऑपरेशन,एनेस्थीसिया, ऑक्सीजन और डॉक्टर शुल्क इत्यादि की भी जानकारी देगा। यह भी बताया कि कौन से खर्च पॉलिसी में शामिल है,या नहीं। इसकी भी जानकारी टूल देगा। इसके अलावा इस टूल की सहायता से बीमा कंपनी के ऑफर के बारे मे जानकारी मिलेगी।

राहुल का 8500 देने का ऐलान, डाकघर पर लगी हजारों महिलाओं की लाइन

-भीड़ देखकर अधिकारी भी हैरान, बुलानी पड़ी पुलिस

बेंगलुरु।

लोकसभा चुनाव के बीच में एक ऐसा मंजर देखने को मिला कि यह चर्चा का विषय बन गया। हुआ यूं कि बेंगलुरु में एक अफवाह उड़ी थी कि कुछ राजनीतिक पार्टियां महिलाओं के डाकघर वाले अकाउंट में 8000 रुपये ट्रांसफर करेंगी। फिर क्या थाज्हजारों महिलाएं सुबह-सुबह सीधे बेंगलुरु के जनरल पोस्ट ऑफिस पहुंच गईं। खाता खुलवाने घंटों इंतजार करने लगीं। हालांकि, इसका राहुल गांधी के 8500 रुपए वाले वादे से कोई कनेक्शन नहीं है। दरअसल, पोस्ट ऑफिस में खाता खुलवाने वाली महिलाओं की संख्या देखकर डाकघर के कर्मचारी भी हैरान रह गए। उन्हें भी नहीं समझ आ रहा था कि अचानक खाता खुलवाने के लिए हजारों महिलाएं क्यों उमड़ पड़ी है। हालात ऐसे पैदा हो गए कि पोस्ट ऑफिस अधिकारियों को महिलाओं के अकाउंट खोलने के लिए अतिरिक्त स्टाफ को लगाना पड़ा। महिलाओं की भीड़ को कंट्रोल करने के लिए पुलिस बुलानी पड़ी। हैरानी की बात तो यह है कि अकाउंट खुलवाने के लिए महिलाएं सुबह तीन बजे से ही लाइन में लग गई थीं। पहले इस पोस्ट ऑफिस में रोज 100-200 अकाउंट खुलते थे, लेकिन अब हर दिन 700 से 800 अकाउंट खुल रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं के बीच चर्चा यह थी कि इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के तहत खोले गए हर एक अकाउंट में डाक विभाग पैसा जमा कर रहा था। महिलाओं को इस अफवाह की भनक व्हाट्सऐप ग्रुप से लगी। ये अफवाहें पिछले कुछ दिनों से चल रही थीं। जब महिलाओं को खबर लगी कि रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख सोमवार है तो जनरल पोस्ट ऑफिस में सैकड़ों महिलाएं अपना अकाउंट खुलवाने पहुंच गईं।

डाक विभाग के सूत्रों के हवाले से बताया कि महिलाओं का मानना था कि 8 हजार पाने के लिए

सबसे पहले अकाउंट खुलवाना होगा और डाक विभाग ने सभी के अकाउंट में 8,000 रुपये जमा करना शुरू कर दिया है। चीफ पोस्ट मास्टर एचएम मंजेश ने बताया कि उन्होंने गेट पर पोस्टर भी लगाए हैं. इनमें कहा गया है कि डाक विभाग द्वारा इस तरह के किसी नकद प्रोत्साहन कार्यक्रम या पहल की घोषणा नहीं की गई है।

घटिया निर्माण: 32 करोड़ में बनी सड़क को भाजपा विधायक ने अपनी कलम से खोद डाली

शाहजहांपुर।

यूपी के शाहजहांपुर में एक घटिया सड़क निर्माण का मामला प्रकाश में आया है। पुवायां थाना क्षेत्र में तहसील पुवायां को लखीमपुर जिले से जोड़ने वाली लगभग 17 किलोमीटर लंबी सड़क का चौड़ीकरण का काम चल रहा है। ये सड़क 32 करोड़ रुपये के बजट से बनाई जानी है। भाजपा विधायक चेतराम स्थानीय लोगों की शिकायत पर अचानक सड़क का निरीक्षण करने पहुंच गए, जहां उन्होंने अपनी कमल से ही नई बनी सड़क को खोद दिया। सड़क निर्माण में गुणवत्ता में खामियां देखकर भाजपा विधायक भड़क और उन्होंने ठेकेदार, जेई को फटकार लगाई।

निर्माणाधीन सड़क का निरीक्षण करने पहुंचे विधायक चेतराम ने कहा कि स्थानीय लोगों द्वारा शिकायत मिली थी कि मानक के अनुसार सड़क का काम नहीं हो रहा है। आगे सड़क तैयार हो रही है तो पीछे सड़क खुद-ब-खुद उखड़ रही है। योगी सरकार सड़क के निर्माण में गुणवत्ता के मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। सड़क की गुणवत्ता से बिल्कुल समझौता नहीं किया जाएगा। वहीं, ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि जेई और ठेकेदार मिलकर सड़क की गुणवत्ता से खिलवाड़ कर रहे हैं। ये लोग तो सड़क बनाकर चले जाएंगे। हम लोग इस सड़क पर चलेंगे। पर ये सड़क खुद-व-खुद उखड़ रही है। यूपी के शाहजहांपुर में भाजपा विधायक ने अपनी सरकार में बन रही सड़क की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े किए हैं। साथ ही उन्होंने विभागीय अधिकारी पर कमीशनखोरी का आरोप लगाया है। विधायक स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद सड़क की गुणवत्ता का निरीक्षण करने पहुंचे थे। जांच के दौरान उन्होंने अपनी कलम से ही सड़क को खोद दिया। सड़क में कमियां देकर बीजेपी विधायक भड़क गए। उन्होंने ठेकेदार और जेई को जेल भेजने की धमकी दे डाली।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीपी बोले-कोई कसर नहीं रहेगी

सूरत कलेक्टर कार्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर विभागीय अधिकारियों की बैठक

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, तक्षशिला के बाद एक बार फिर स्थानीय प्रशासन सुप्त अवस्था में था, राजकोट में आग लगने की घटना के बाद सरकार जाग गई है और महानगरों में अधिकारियों की तैनाती की जा रही है. सूरत कलेक्टर कार्यालय में एक बेहद अहम बैठक बुलाई गई. जिसमें उच्च अधिकारियों से लेकर सभी विभागीय अधिकारी मौजूद रहे. सूरत जैसे महानगर में समय-समय पर घटनाएँ होती रहती हैं. कपड़ा नगरी होने के कारण अलग-अलग बाजारों में भी आग लगने की घटना सामने आती रहती हैं. बड़े-बड़े व्यावसायिक परिसरों में भी आग लग जाती है, जिससे कई लोगों की जान भी चली जाती है. ऐसी स्थिति में जब जांच की जाती है तब हह्रष्ट समेत महत्वपूर्ण प्रमाणपत्र नहीं मिल पाते हैं और घटना बनने के बाद उसकी चर्चा होती रहती है.

बैठक में सूरत पुलिस कमिश्नर अनुपमसिंह गहलोत ने बताया कि बैठक में कलेक्टर नगर निगम कमिश्नर समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा हुई. लोगों की सुरक्षा के साथ-साथ सरकार द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशों को लेकर राय ली गयी. उसके अनुसार कार्रवाई की जायेगी. उन जगहों पर सुरक्षा उपाय कैसे करें जहां बहुत अधिक लोग इकट्ठा हों? इस पर चर्चा हुई और टीम इस पर काम भी कर रही है. आने वाले दिनों में सभी विभाग उचित समन्वय स्थापित कर कार्य करेंगे. सुरक्षा को लेकर कोई कसर नहीं छोड़ी जायेगी.

नगर निगम कमिश्नर शालिनी अग्रवाल ने बताया कि जिला कलेक्टर कार्यालय में पुलिस कमिश्नर, जिला कलेक्टर, अग्निशमन विभाग, शिक्षा विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने एक्शन प्लान तैयार की है. जहां लोग बड़ी संख्या में एकत्र होते हैं, उन्हें सुरक्षा के संबंध में किसी भी हह्रष्ट या अनुमोदन लेने के लिए जांच की जाएगी. यह कार्रवाई पूरे शहर में एक अभियान के रूप में शुरूकी गई है. सार्वजनिक सुरक्षा के लिए कोई भी जांच होगी. यदि इसमें कोई कमी पाई गई तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.

राजकोट की घटना के बाद जागा सूरत का सिस्टम, स्कूलों में फायर सेफ्टी के लिए जांच

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, पूरे राज्य को झकझोर देने वाली राजकोट की गेम जोन त्रासदी के बाद अब सूरत नगर निगम के अग्निशमन विभाग ने गेम जोन और खेल क्षेत्र, मेलों आदि में जांच शुरू कर दी है. नगरपालिका द्वारा संचालित नगर प्राथमिक शिक्षा समिति स्कूलों में अग्नि सुरक्षा का मुद्दा फिर से उभर आया है. तक्षशिला घटना के बाद प्राथमिक शिक्षक संघ ने लिखित शिकायत की थी कि समिति के कुछ स्कूलों में अग्नि सुरक्षा की कोई सुविधा नहीं है, जिसके बाद कई स्कूलों में अग्नि सुरक्षा के उचित इंतजाम भी किये गये थे, लेकिन अब एक बार फिर जांच की कवायद शुरू कर दी गई है.

राजकोट में गेमज़ोन आपदा के बाद, सूरत शिक्षा समिति के प्राथमिक शिक्षा बोर्ड ने मुन. आयुक्त को एक पत्र भेजा, उन्होंने आयुक्त को पत्र लिखकर शिकायत की है कि सूरत नगर पालिका के कुछ स्कूलों में अग्निशमन सुविधाएं स्थापित नहीं की गई हैं. सूरत में दिनांकित. २४ मई २०१९ को सरथाना तक्षशिला त्रासदी के बाद, सूरत नगर निगम ने शहर भर में अग्नि सुरक्षा निरीक्षण किया और गैर-अग्नि सुरक्षा संपत्तियों को नोटिस जारी किए. हालाँकि, इस दुखद घटना के बाद और पाँच साल बाद भी, कई स्कूलों में अभी भी अग्नि सुरक्षा सुविधाओं और फायर एनओसी का अभाव है. इसलिए प्रधान शिक्षक/प्रधानाचार्य पर जिम्मेदारी डालकर सिर्फ पत्र लिखकर संतुष्ट होने की बजाय बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता और महत्व देते हुए इस कार्य को तत्काल युद्ध स्तर पर करना जरूरी है. एसोसिएशन की ओर से लिखे गए पत्र में यह अनुरोध किया गया है.

राजकोट अग्निकांड के बाद सूरत नगर निगम ने बिना अग्नि सुरक्षा की संपत्ति को सील किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, राजकोट की घटना के बाद इसकी गूंज पूरे राज्य में हो रही है. अग्निकांड के बाद एक बार फिर सूरत नगर निगम जाग उठी है. गेम जोन के खिलाफ कार्रवाई के बाद, सूरत नगर निगम ने देर रात से अग्नि सुरक्षा और अन्य नियमों का उल्लंघन करके चल रहे प्रतिष्ठान के खिलाफ कार्रवाई की है. अब तक कुछ क्षेत्र में कपड़ा बाजार, होटल और अस्पताल समेत कई संस्थानों में सीलिंग की कार्रवाई की जा चुकी है. कोर्ट के आदेश के बाद सूरत नगर निगम ने एक ही दिन में दस बड़े गेम जोन और सात बच्चों के खेल जोन को सील कर दिया है. इसके अलावा पांच गेम जोन ऐसे हैं जो नगर पालिका की बीयू अनुमति के बिना लंबे समय से फल-फूल रहे थे.

अग्निशमन विभाग ने अलग-अलग टीमों का गठन कर अलग-अलग जोन के हिसाब से कार्रवाई शुरू की है. नगर निगम के विभिन्न जोन में बाजार, अस्पताल, होटल, क्लीनिक, ट्यूशन क्लास, रेस्टोरेंट, वाणिज्यिक भवन आदि को अग्नि सुरक्षा कमियों के कारण सूरत फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज द्वारा सील कर दिया गया है. लिंबायत जोन में ऋतुराज मार्केट, मिलेनियम मार्केट के सामने की कुल २० दुकानें, साकार मार्केट, जेजे मार्केट के बगल में ८ साड़ी गोदाम और टेस्ट ऑफ भगवती होटल को सील कर दिया गया है.

सेंट्रल जोन में एशियन टेक्सटाइल मार्केट बी+जी+४ फ्लोर, सलाबतपुरा, दांडियावाड और दिल्ली गेट के पास होटल डायमंड प्लाजा को सील कर दिया गया है. उधना जोन में अनुपम एमेनिटी सेंटर, उधना नवसारी मेन रोड पर स्थित आसोपालव हॉस्पिटल, आस्था डेंटल क्लिनिक, ३ ट्यूशन क्लास लॉजिक क्लास, विशाल कंप्यूटर एजुकेशन, और सिंगिंग एंड आर्ट क्लास, स्वीट क्लास और २ जिम, तुलसी रेस्टोरेंट को सील किया गया हैं. जबकि रांदेर जोन में जकात नाका के पास राज कोरिन कमर्शियल कॉम्प्लेक्स की १३ दुकानें सील कर दी गई हैं. सूचना देने के बाद भी अग्निशमन सुविधा नहीं होने के कारण आखिरकार कार्यवाही की गई है. कई बार बिना एनओसी या फायर सुविधा के चल रहे बाजार में आग लग जाती है, यह अत्यधिक जहरीला और न केवल बाजार के व्यापारियों के जीवन को खतरे में डालता है, बल्कि अक्सर व्यापारियों और उपभोक्ताओं के जीवन को भी खतरे में डालता है.

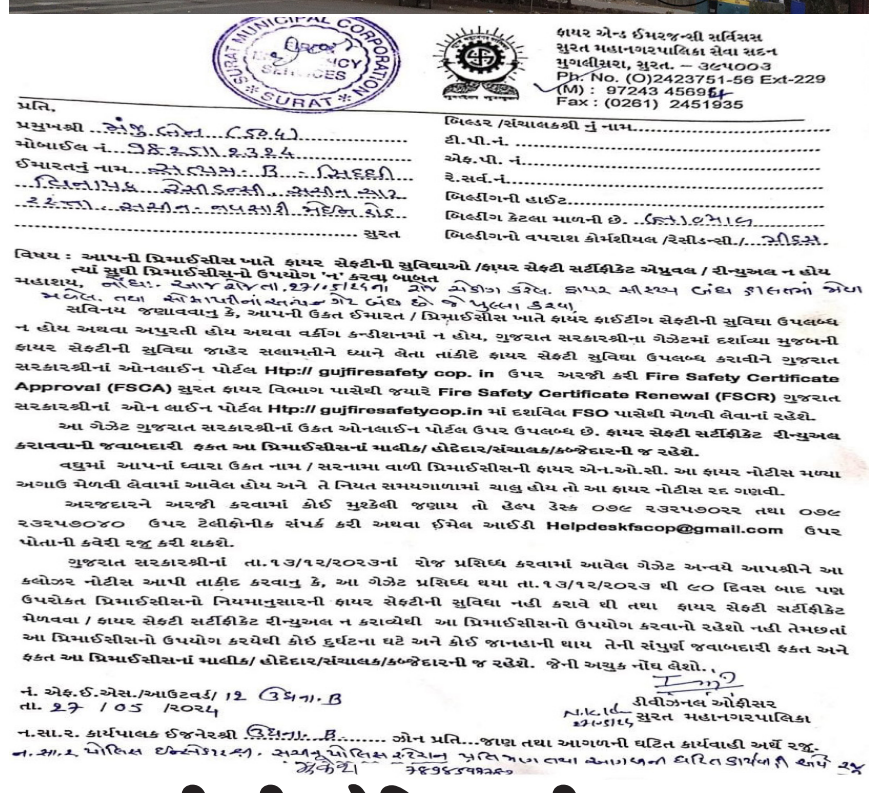

दो महीने पहले एक विपक्षी पार्षद ने अवैध अस्थायी ढांचों की शिकायत की थी, लेकिन नतीजा शून्य रहा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, राजकोट अग्निकांड के बाद सूरत नगर पालिका ने फायर एनओसी या अन्य अवैध गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाना शुरूकर दिया है, लेकिन इससे नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं. नगर पालिका के विपक्ष के एक पार्षद ने वराछा क्षेत्र में बहुत बड़ी अस्थायी संरचनाओं की उपस्थिति के बारे में शिकायत की और कहा कि इससे दुर्घटनाएं होंगी. आरोप है कि दो माह से शिकायत दर्ज कराने के बावजूद नगर पालिका की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है.

सूरत नगर पालिका के आप पार्षद ने मार्च में नगर पालिका को पत्र लिखकर कहा था कि शहर के वराछा क्षेत्र सहित कई क्षेत्र में अस्थायी संरचनाएं

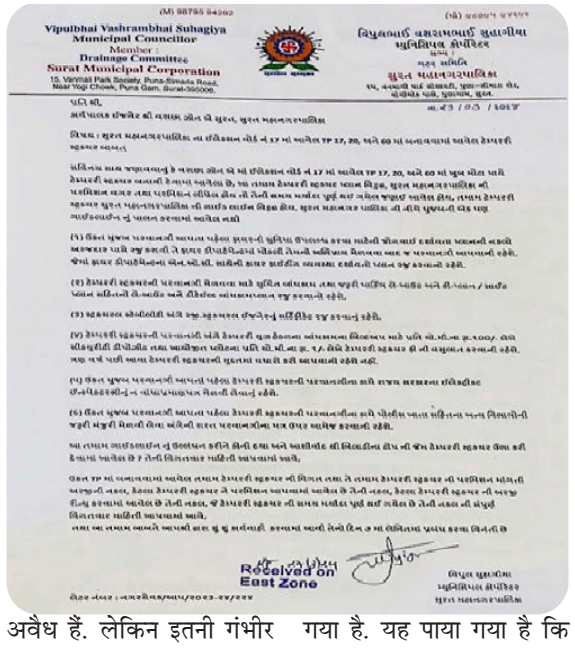

अवैध हैं. लेकिन इतनी गंभीर शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई? यह बहस का विषय बन गया है. पत्र में कहा गया है कि वराछा जोन-ए में चुनाव वार्ड नंबर-१७ में टीपी-१७, २० और ६० में बड़े पैमाने पर अस्थायी संरचनाओं का निर्माण किया गया है. यह पाया गया है कि ये सभी अस्थायी संरचना योजनाएं सूरत नगर निगम की अनुमति के बिना पूरी की गई हैं और यदि अनुमति ली गई है, तो समय सीमा पूरी हो चुकी है. सभी अस्थायी संरचनाएं सूरत नगर निगम के दिशानिर्देशों के खिलाफ हैं. साथ ही इस ढांचे के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई है और जो अनुमति है वह समाप्त हो चुकी है. इतनी गंभीर शिकायत के बाद भी नगर पालिका द्वारा अभी तक कोई कार्रवाई नहीं किए जाने पर पार्षद ने कहा कि नगर पालिका के अधिकारी पर ही संदेह जताया जा रहा है.

आप के निगम पार्षद विपुल सुहागिया ने कहा कि, पिछले दो महीने पहले मैंने अस्थायी ढांचे को लेकर सवाल उठाया था. इतना ही नहीं बल्कि डेढ़ साल पहले जब मैंने ये सवाल उठाया था तब भी मुझे कोई जवाब नहीं मिला था. जब भी अधिकारियों से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, हां हम देखते हैं, हम कार्रवाई कर रहे हैं लेकिन हकीकत यह है कि कोई कार्रवाई नहीं की गई है. मैंने इसके लिए केवल अपने क्षेत्र योगीचौक ङ्क पुणे क्षेत्र के लिए कहा था, लेकिन शहर भर में ऐसी कई अवैध अस्थायी संरचनाएं खड़ी की गई हैं. इसमें सीधे तौर पर अधिकारियों की मिलीभगत है. यदि अधिकारियों को थोड़ी सी भी जानकारी है, तो बड़े अस्थायी ढांचे, जो जीवन के लिए खतरा साबित हो सकते हैं, को हटाया क्यों नहीं जाता. भ्रष्ट राजनीति के कारण ये संरचनाएँ बनती रही हैं और बनती रहेंगी. इतनी बड़ी घटना के बाद भी अधिकारी इस मामले को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं.